बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 03 अगस्त 2026 | दिन - सोमवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 188 | मूल्य - 5 रुपये

वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिये अंकलेश्वर से अहमदाबाद पहुंचाया गया दानदाता का हृदय..

अहमदाबाद, (भाषा)। गुजरात में रविवार को महज तीन के अंदर दूसरी बार एक दानदाता का हृदय वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से अंकलेश्वर से अहमदाबाद पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले शुक्रवार को वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए एक दानदाता का हृदय सूरत से अहमदाबाद पहुंचाया गया था।

इस कार्य के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को अंकलेश्वर रेलवे स्टेशन पर रोका गया, ताकि दानदाता का हृदय ट्रेन में रखा जा सके। यह हृदय श्रीमती जया बेन मोदी मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल से स्थानीय पुलिस के बनाए 'ग्रीन कॉरिडोर' के जरिए रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया गया। गुजरात सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया, ÷इसके बाद दानदाता का हृदय वंदे भारत एक्सप्रेस से अहमदाबाद स्थित यू.एन. मेहता अस्पताल हृदय रोग संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि हृदय अहमदाबाद पहुंचाए जाने के बाद भी 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाया गया। हृदय तय समय सीमा में अस्पताल पहुंचाया गया, जिसके बाद चिकित्सकों ने अस्पताल में 78 वां हृदय प्रतिरोपण सफलतापूर्वक किया।

पप्पू यादव पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में फेंकी गई चप्पल, समर्थकों और हमलावर में मारपीट..

नई दिल्ली, (भाषा)। *निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने रविवार को अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर संसद परिसर में किए गए नाटक को सही ठहराया जिसके बाद एक व्यक्ति ने उन पर चप्पल फेंक दी। इस घटना के बाद उनके समर्थकों और हमलावर के*

बीच हाथापाई हो गई। यादव ने कहा कि वह ÷जान लेने की कोशिश से डरने वाले नहीं हैं। बिहार के पूर्णिया से सांसद यादव शुक्रवार को किए गए अपने प्रदर्शन को लेकर भाजपा, हिंदू संगठनों और अन्य लोगों के विरोध के बीच संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। इस मामले में धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में वाराणसी में यादव, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और फैजाबाद (अयोध्या) से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव जब संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति ने उनके नाटक को लेकर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि उन्होंने भगवान राम का अपमान किया है। इसके बाद उसने यादव पर चप्पल फेंक दी, जिसके बाद बिहार के पूर्णिया से सांसद यादव के समर्थकों और हमलावर के बीच हाथापाई हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी की पहचान 34 वर्षीय सुमित के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है और गाजियाबाद में लोहे का सामान बनाने का काम करता है। पुलिस के अनुसार उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस सूत्र ने बताया कि हैप्पी नामक एक अन्य व्यक्ति घटना के समय यादव के आवास के बाहर खड़ी एक एसयूवी कार में मौजूद था। जांच अधिकारी उनके दावों की पुष्टि कर रहे हैं और घटना के पीछे की वजह पता लगा रहे हैं। यादव के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि दो लोग पत्रकार बनकर आए थे और उनमें से एक ने यादव को निशाना बनाकर चप्पल फेंकी, जबकि दूसरे व्यक्ति के पास से चाकू बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि बाद में दोनों लोगों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने शुक्रवार को भगवा कपड़े पहनकर संसद परिसर में मकर द्वार के सामने अन्य विपक्षी सांसदों के साथ नाटक किया था। यह प्रदर्शन अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के विरोध में किया गया था। इस दौरान राहुल गांधी समेत विभिन्न सांसदों ने दान पेटी में पैसे डाले, जबकि यादव ने राम मंदिर में हुई चोरी को दिखाने के लिए कथित रूप से पैसे अपनी जेब में रख लिए।

संवाददाता सम्मेलन में हंगामे से पहले यादव ने कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भगवा रंग पर आरएसएस का एकाधिकार है? यादव ने कहा, ÷भगवा हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सनातन हमारे लिए जीवन जीने का तरीका है। सांसद ने दावा किया कि उन्होंने सनातन की रक्षा के लिए प्रदर्शन किया था। इसके बाद कथित हमलावर ने उनसे सवाल किया। उस व्यक्ति ने यादव पर भगवान राम का अपमान करने का आरोप लगाया और उन पर चप्पल फेंक दी। इसके बाद सांसद के समर्थकों ने कथित हमलावर को पकड़ लिया। घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, ÷आप सभी लोगों के सामने उसने मुझ पर हमला किया। मुझ पर हमला हुआ, छात्रों पर हमला हुआ। पप्पू यादव का अपराध क्या है? यह मेरी गलती है या (मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव) चंपत राय की? उन्होंने चढ़ावे की चोरी की है। यादव ने कहा, ÷जो लोग मुझे मारना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं; मैं डरने वाला नहीं हूं। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता प्राथमिकी से डरने वाले नहीं हैं। शनिवार को वाराणसी में साधु-संतों की शिकायत पर यादव, गांधी और प्रसाद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू, दोषी पाए जाने पर सात साल तक की सजा का प्रावधान

मुंबई, (भाषा)। *महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी कानून राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद लागू हो गया। इसके साथ ही राज्य में जबरन, धोखेबाजी, प्रलोभन या विवाह के माध्यम से कराए जाने वाले धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया।*

महाराष्ट्र धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक, 2026 को मार्च में बजट सत्र के दौरान राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों ने पारित किया था। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद 30 जुलाई को राज्य राजपत्र में अधिसूचित किया गया।

नए कानून के तहत, किसी अन्य धर्म को अपनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को इसकी सूचना देनी होगी। इसके साथ ही धर्म परिवर्तन के बाद निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना भी अनिवार्य होगा। महाराष्ट्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2026 के तहत बल, दबाव, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, मिथ्या प्रस्तुतीकरण या विवाह से जुड़े छल के माध्यम से कराए गए धर्मांतरण को दंडनीय अपराध बनाया गया है। कानून के तहत पहली बार दोषी पाए जाने पर सात वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। वहीं दोबारा अपराध करने पर सजा बढ़ाकर 10 वर्ष तक की जा सकती है। इस कानून के तहत पीड़ित के माता-पिता, भाई-बहन और अन्य निकट संबंधियों को भी शिकायत दर्ज कराने का अधिकार दिया गया है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है।

अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और ताजा खबरों से जुड़ें।

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक) में वेटर, हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क 9301210805, 7000671780

नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम पहुंचे बालाघाट, आज करेंगे पदभार ग्रहण..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में बेहतर प्रशासनिक सेवाएं देने वाले कलेक्टर मृणाल मीना का स्थानांतरण छतरपुर कर दिया गया, तथा उनके स्थान पर राज्य शासन द्वारा ग्वालियर में अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ आईएएस

अधिकारी कुमार सत्यम को बालाघाट कलेक्टर के रुप में स्थानांतरिक एवं पदस्थ किया गया है, जिसके उपरांत नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम आज 3 अगस्त को बालाघाट जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण करेंगे। ज्ञात हो कि कुमार सत्यम वर्ष 2017 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बालाघाट में कलेक्टर के पद पर उनकी यह प्रथम पदस्थापना है। इससे पूर्व वे परिवीक्षा अवधि के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में अलग-अलग प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम के बारे में जानकारी के अनुसार श्री कुमार सत्यम बालाघाट पहुंच चुके हैं और भरवेली मॉयल रेस्टहाउस में रुके हुए हैं। वे आज 3 अगस्त को प्रातः 10:20 बजे कलेक्टर का प्रभार ग्रहण करेंगे। इसके साथ ही वे टीएल की बैठक भी लेंगे।

80 वर्ष की उम्र में भी जो रेलवे क्रॉसिंग पर भीड़ को करते थे करते थे यातायात नियमों के पालन के लिये प्रेरित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट नगर में सरेखा कोसमी रेलवे क्रॉसिंग पर जब यातायात नियमों को ताक पर रखकर लोग अपना साईड छोड़कर पूरा रास्ता जाम करके भी खुद आगे निकलने की होड़ में लगे रहते थे, तथा यातायात विभाग द्वारा रेलवे क्रॉसिंग पर कोई व्यवस्थाएं सुनिश्चित नहीं की जाती थी, तब इस स्थिति में वो बालाघाट के वरिष्ठ नागरिक 79 वर्षीय सरदार सुरजीत सिंह छाबड़ा ही थे, जो कि रेलवे क्रॉसिंग पर लोगों से यातायात नियमों का

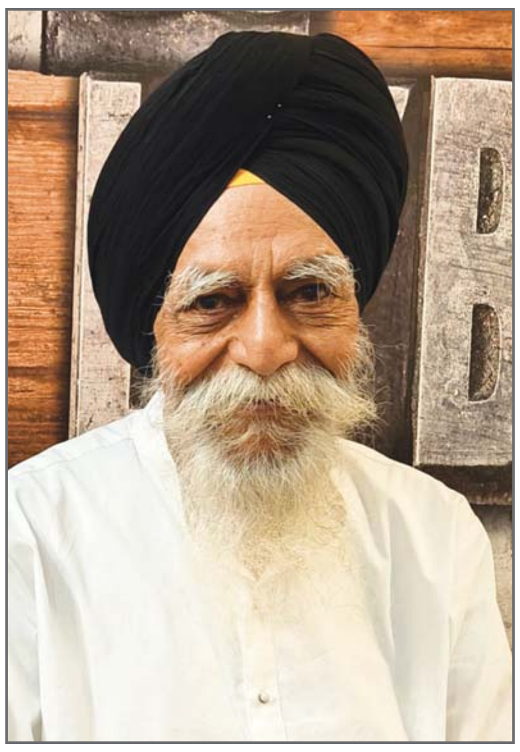

पालन करने के लिये खुद हाथ में सीटी लेकर बजाते हुए यातायात व्यवस्था को बनाने के लिये निकल पड़े थे। बालाघाट में रेलवे क्रॉसिंग पर भीड़ को सहीं रास्ता देने के लिये सरदार सुरजीत सिंह छाबड़ा ने अनेक दिनों तक ऐसा किया, और वरिष्ठ उम्र में भी आम नागरिकों को अपने कर्त्तव्यों का बोध कराया। ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी, जिनके निरंतर प्रयासों के बाद जब उनका यह योगदान मीडिया की सुर्खियों में आया, तब यातायात विभाग जागा, और रेलवे क्रॉसिंग पर यातायात व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। अपने दौर में वरिष्ठ होने के बावजूद भी बच्चों को कुशल मार्गदर्शन प्रदान करने वाले तथा एक जिम्मेदार नागरिक का पाठ पढ़ाने वाले बालाघाट के वरिष्ठ नागरिक और जन जन के प्रणेता वार्ड नं. 28 के निवासी तथा उपभोक्ता फोरम के भी वरिष्ठ संरक्षक रहे गोल्डी छाबड़ा व नरेंद्र सिंह छाबड़ा के पिता सरदार सुरजीत सिंह छाबड़ा अब इस दुनिया में नहीं रहे।

बालाघाट की महान शख्सियत सरदार सुरजीत सिंह छाबड़ा का दुखद निधन..

आज होगा अंतिम संस्कार..

सम्माननीय सुरजीत सिंह छाबड़ा का दुखद निधन आज 02 अगस्त की शाम को हो गया। वे 84 वर्ष के थे, तथा नगर के प्रतिष्ठित नागरिक सरदार कुलदीप सिंह छाबड़ा, चरणजीत सिंह छाबड़ा, फूलबाग सिंह छाबड़ा के बड़े भाई थे। एक सरल, सेवाभावी एवं समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व के रुप में उन्होंने जीवन जिया, जिससे उनके निधन पर समस्त छाबड़ा परिवार एवं मित्र परिवारों में शोक व्याप्त हो गया है, तथा बालाघाट नगर ने स्व. सुरजीत सिंह छाबड़ा के रुप में एक वरिष्ठ मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत खो दिया है।

स्व. सुरजीत सिंह छाबड़ा स्व. सरदार सुरजीत सिंह छाबड़ा के निधन उपरांत उनके पार्थिव देह की अंतिम यात्रा आज उनके निज निवास वार्ड नंबर 28 से शाम 4 बजे मोक्षधाम के लिये रवाना होगी। गौरतलब है कि स्व. सरदार सुरजीत सिंह छाबड़ा का योगदान एवं उनके द्वारा दी गई सीख हमेशा प्रेरणादायक बनी रहेगी।

मित्रता दिवस पर दृढ़शक्ति फाउंडेशन ने पौधों से निभाई दोस्ती, किया पौधारोपण

जगप्रेरणा बालाघाट।

मित्रता दिवस के अवसर पर रविवार, 2 अगस्त 2026 को दृढ़शक्ति फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों के साथ मित्रता दिवस मनाया गया। संस्था ने प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पौधारोपण अभियान चलाते हुए गोंदिया रोड स्थित मुख्य मार्ग के डिवाइडर पर 10 पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

दृढ़शक्ति फाउंडेशन की संस्थापक बरखा नाग गंगवानी ने बताया कि संस्था प्रत्येक वर्ष जुलाई एवं अगस्त माह में जिले के विभिन्न स्थानों, विशेषकर विद्यालयों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करती है। इस बार मित्रता दिवस को विशेष रूप से पर्यावरण को समर्पित करते हुए उन पौधों के साथ मनाया गया, जो मानव जीवन को ऑक्सीजन प्रदान कर धरती को हरा-भरा और सुरक्षित बनाए रखते हैं।

उन्होंने कहा कि पौधे हमारे सच्चे मित्र हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के हमें शुद्ध वायु, छाया और जीवन प्रदान करते हैं। इसी भावना के साथ संस्था ने फलदार, छायादार एवं शुद्ध हवा देने वाले पौधों का रोपण किया। संस्था का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने में जनसहभागिता बढ़ाना है।

बरखा नाग गंगवानी ने कहा कि दृढ़शक्ति फाउंडेशन समाज, पर्यावरण एवं जनहित से जुड़े कार्यों में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक नीलू पीपलेवार, मंजुला तिवारी, जिला अध्यक्ष अश्विन तिवारी, मेघा नाग, पायल सावलानी, मीना धुवारे, राशि बोथरा, जानकी वाधवानी, कुंती जी, ममता पीपलेवार, राजा ठाकुर, विनय गुप्ता एवं महेश ठाकरे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया।

झांसे का फेर और अंधे लालच में डुब गए 17 लाख, पुलिस ने किया 02 आरोपियों को गिरफ्तार

जगप्रेरणा बालाघाट।

धन कमाने के लिये कोई कुछ भी कर ले, लेकिन अचानक 07 दिन में दोगुना कहीं भी नहीं होता, यह सभी जानते हैं, लेकिन फिर भी धन का लालच देने वालों के बहकावे में आकर अपनी जमापूंजी से हाथ धो बैठते हैं। बालाघाट जिला वैसे भी डबल मनी के मामले में सुर्खियों में है, और एक बार फिर अब पुलिस ने ऐसे ही झांसे के फेर में पड़कर अंधे लालच में 17 लाख गंवाने

वाले पिड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पूछताछ के लिए एक दिन की रिमांड पर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसमी के रहने वाले अवधेश तारन ने ग्रामीण नवेगांव पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। अवधेश ने बताया कि कोसमी निवासी प्रिंस पिछोड़े ने मोबाइल ऐप के जरिए सात दिन में पैसा दोगुना करने का झांसा दिया था। प्रिंस ने अवधेश को झांसे में लेकर उनकी पत्नी से करीब 6 लाख रुपए के सोने के गहने और घरवालों से कैश लेकर कुल 17 लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने दोगुने पैसे देने के नाम पर चेक भी दिए थे, लेकिन जब पैसे देने का वक्त आया तो वह फरार हो गया और उसके दिये हुए बैंक चैक भी बाउंस हो गए। जैसे ही आरोपी के फरार होने और चैक बाउंस होने पर ठगी स्पष्ट हो गई, तब फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रिंस पिछोड़े को धर दबोचा तो उसने बताया कि कायदी का रहने वाला उसका एक रिश्तेदार भी इस ठगी में शामिल था और ऐप के जरिए लोगों से पैसे लगवाता था। प्रिंस के बताने पर पुलिस ने उसके रिश्तेदार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि ठगी के पैसों से प्रिंस पिछोड़े ने करीब 200 ग्राम सोना खरीदा था, तथा पुलिस आरोपियों की रिमांड लेकर अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन लोगों ने और किन-किन लोगों से पैसे ठगे हैं और इस गिरोह में कौन-कौन शामिल है।

पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपियों से ठगी के पैसों, खरीदे गए सोने और बाकी साथियों के बारे में कड़ी पूछताछ की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

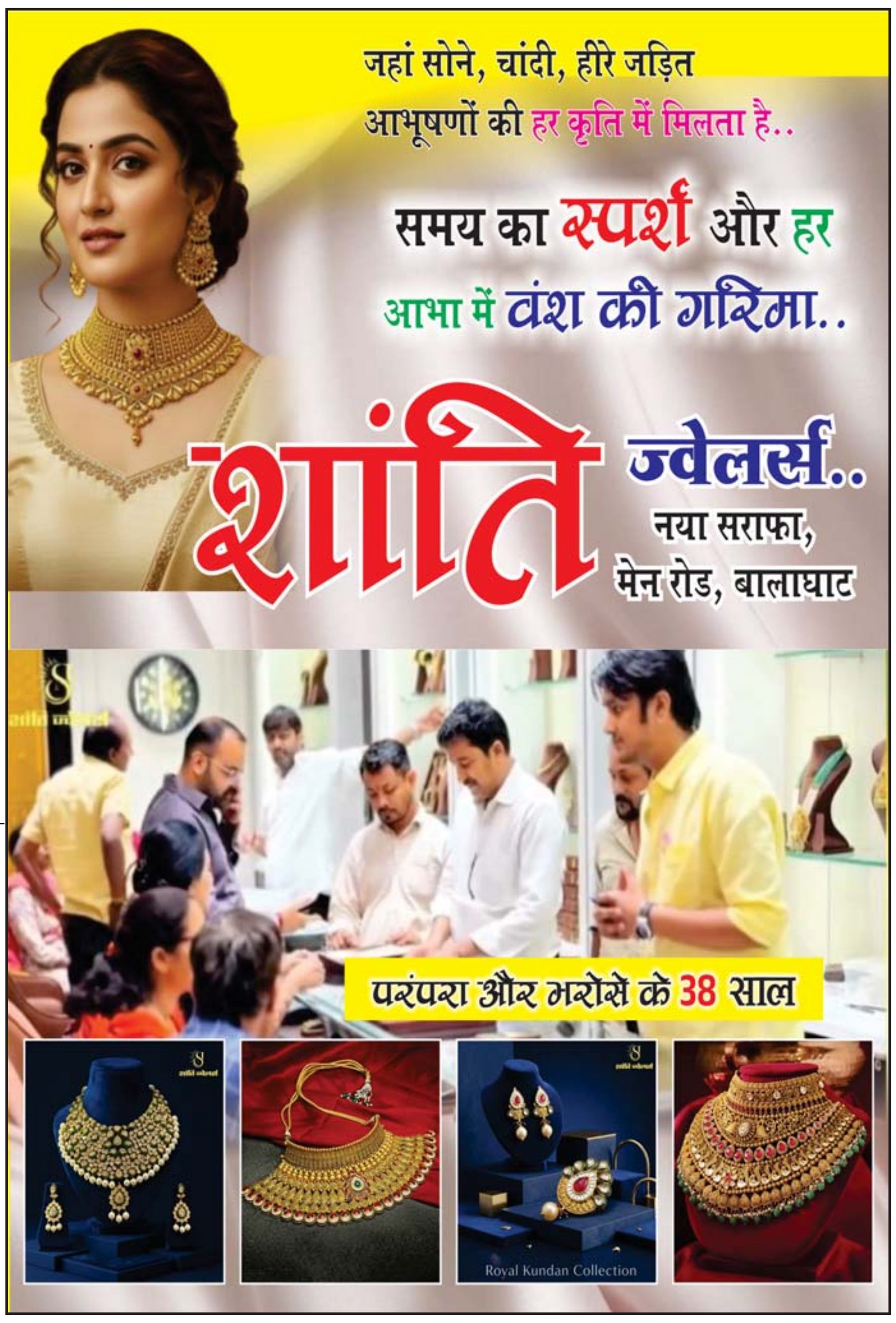

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

छपारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई - पशु चोरी का खुलासा उमरिया एवं जबलपुर से 3 शातिर नकाबजन गिरफ्तार..

चोरी में प्रयुक्त कार जप्त..

13 बकरों की चोरी कर जबलपुर में बेचे थे आरोपी..

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा SDOP लखनादौन

अपूर्व भलावी के मार्गदर्शन में थाना छपारा पुलिस को पशु चोरी के मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंतर-जिला गिरोह के 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी में प्रयुक्त वाहन जप्त किया है। दिनांक 29/07/2026 की रात्रि फरियादी याकूब मोहम्मद पिता इस्ताक मोहम्मद, निवासी गोरखपुर के घर से अज्ञात चोरों द्वारा 13 नग बकरे चोरी कर ले जाए गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना छपारा में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार जैतवार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, संकलित तथ्यों एवं सायबर सेल सिवनी की मदद से आरोपियों की पतासाजी की गई। अथक प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने जिला उमरिया, थाना मानपुर क्षेत्र से आरोपी श्यालम पिता अचार खान, निवासी ग्राम बरबसपुर तथा जिला जबलपुर, थाना गोरखपुर चौकी रामपुर क्षेत्र से मुन्ना पिता अब्दुल सलाम कुरैशी एवं बाबर कुरैशी पिता मुन्ना कुरैशी, निवासी रामपुर को उनके ठिकानों पर दबिश देकर गिरफ्तार किया। घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार क्रमांक **MP 54 ZA 9987**, कीमत 6,00,000/- को भी जप्त किया गया है।

आरोपियों से पूछताछ..

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बकरों को चोरी कर जबलपुर में अपने घर पर काटकर बेच दिया था। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

गिरफ्तार आरोपी..

श्यालम खान पिता अचार खान, उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम बरबसपुर थाना मानपुर जिला उमरिया (म.प्र.), मुन्ना पिता अब्दुल सलाम कुरैशी, उम्र 82 वर्ष निवासी रामपुर थाना गोरखपुर जिला जबलपुर, बाबर कुरैशी पिता मुन्ना कुरैशी उम्र 32 वर्ष निवासी रामपुर मस्जिद के पास आजाद चौक थाना गोरखपुर जिला जबलपुर (म.प्र.)

उल्लेखनीय भूमिका..

इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार जैतवार, उप निरीक्षक सुक्कूलाल उइके, सहायक उप निरीक्षक प्रेमनारायण सूर्यवंशी, सायबर सेल प्रभारी ASI देवेन्द्र जायसवाल, प्रआर शैलेन्द्र कवरेती, सायबर सेल आरक्षक अजय बघेल, आरक्षक सूरज गिरारे की सराहनीय भूमिका रही।

24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पलारी-धनोरा मार्ग पर शव रखकर किया चक्काजाम..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के पलारी चौकी क्षेत्र के ग्राम पलारी में 24 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह युवक का शव उसके घर में फांसी के

फंदे से लटका मिला। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने ग्राम के ही आवेद खान पर गंभीर आरोप लगाते हुए दोपहर करीब 1 बजे पलारी-धनोरा मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

मृतक की पहचान पलारी निवासी बिट्टी उर्फ घनश्याम डेहरिया (24) के रूप में हुई है। सुबह घर के कमरे में उसका शव फांसी के फंदे पर मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिन पहले आवेद खान नामक युवक से उसका विवाद हुआ था। इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई थी। परिजनों के अनुसार, इसी घटना के बाद युवक मानसिक तनाव में था और आवेद खान द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने के कारण उसने यह कदम उठाया। परिजनों ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पलारी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

चौकी प्रभारी संजय दीक्षित ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत फांसी लगाने से हुई है। परिजनों ने गांव के एक युवक को प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, एक दिन पहले दोनों के बीच विवाद होने की बात भी सामने आई है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका स्पष्ट कारण जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आएगा।

पुलिस ने दिया निष्पक्ष जांच का आश्वासन..

चक्काजाम की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाया। अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है तथा विवाद, मारपीट और अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सक विहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उगली का मामला स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में संचालित चिकित्सालय..

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले की अति संवेदनशील विधानसभा केवलारी की उप तहसील उगली मुख्यालय जहां पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो नगर के बीचो-बीच स्थित है,

लेकिन दुर्भाग्य है कि यहां पर संविदा चिकित्सक के रूप में डॉक्टर विजेंद्र ऊइके की पद स्थापना होने के बावजूद भी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक अनुपस्थित है। जिसका मुख्य कारण यह है, कि डा.विजेंद्र ऊइके ट्रेनिंग सत्र के चलते भोपाल में आगामी दो वर्षों के लिए अंडर ट्रेनिंग है, जिसके आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उगली में चिकित्सक के पद स्थापना दिखाई दे रही है, लेकिन धरातल स्तर पर बात करें तो स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक न होने से अन्य स्वास्थ्य सुविधायें पूर्ण रूप से सुचारू नहीं है, इसके अलावा चिकित्सालय में फार्मासिस्ट, एएनएम, स्टाफ नर्स कंपाउंडर, टेली मेडिसिन के लिए ऑपरेटर और पुरुष और महिला कर्मचारी के रूप में सभी लोग तो हैं, लेकिन चिकित्सक नहीं है,मुख्य रूप से मानसून के समय में संक्रमण का खतरा अधिक बना रहता है,ग्रामीण परिवेश और वनांचल क्षेत्र उगली और आसपास का इलाका सघन वन बाहुल्य वाला क्षेत्र है, यहां पर अक्सर जंगली जानवरों का मूवमेंट होता है, ग्रामीणों को इनसे भय रहता है,कई बार खूंखार जानवर के काटने के भी मरीज अस्पताल में आते हैं, अभी वर्तमान में बरसात के समय सर्पदंश के केस अधिक बढ़ जाते हैं, अगर किसी को आकस्मिक स्नेक बाइट का केस चिकित्सालय में आ जाए तो यहां पर एंटी ऐनम वैक्सीन तो उपलब्ध है, लेकिन इनको लगाने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ नहीं है, जिस कारण से स्नेक बाइट वाले केस का समुचित इलाज नहीं हो सकता, केवल सामान्य प्रसव के आधार पर डिलीवरी ही इस अस्पताल में होती है,एक और गंभीर विडंबना यह है, कि निकट पुलिस थाना अस्पताल परिसर के निकट है, पुलिस थाना परिसर में भी कोई मारपीट से संबंधित केस आता है, तो पुलिस मुलाइजा के लिए केवलारी का रुख करना पड़ता है, अतः इस और संबंधित विभाग जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से निवेदन है, कि उगली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत वैकल्पिक व्यवस्था के आधार पर प्रशिक्षित चिकित्सक की पदस्थापना होनी चाहिए। आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार को प्रदेश में काबिज हुए लगभग पांच पंचवर्षीय बीत चुके हैं,इसके पूर्व जब कांग्रेस का शासन काल था तो महिला व पुरुष चिकित्सक के रूप में यहां पर अस्पताल में डॉक्टर 24म7 उपलब्ध रहते थे, लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी का कार्यकाल आया है, स्वास्थ्य संबंधित सुविधाओं के अंतर्गत उगली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेहाल है।

सिवनी पुलिस ने कांबिंग गश्त में 53 वारंटी को गिरफ्तार कर 66 निगरानी/ गुंडा बदमाश चेक किया

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) के द्वारा दिनांक 01-02 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि में जिले के समस्त थाना /चौकी में वारंटियों

तथा फरार अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु 'नाईट काम्बिंग ऑपरेशन' आदेशित किये जाने पर आदेश के परिपालन में दिनॉक 02-08-26 की रात्रि 12 बजे से प्रातः 05 बजे तक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी दीपक मिश्रा के नेतृत्व में समस्त थाना/चौकी प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिग गस्त की गयी, जिसके सार्थक परिणाम निकले। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभावी नाइट कांबिंग गश्त हेतु पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। रात्रि कांबिंग गश्त में 05 राजपत्रित पुलिस अधिकारी, सभी थाना प्रभारी/ चौकी प्रभारी सहित 105 का पुलिस बल कांबिंग गश्त में शामिल रहा। रात्रि कांबिंग गश्त के दौरान जिले में 19 स्थाई वारंट, 34 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए, इसके साथ ही 66 निगरानी बदमाश/ गुंडा बदमाश/ सस्पेक्ट को चेक किया गया। इसके साथ ही होटल, ढाबा, लाज, धार्मिक स्थलों एवं 1 45 से अधिक संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई।

धारा-163 लागू: बिना अनुमति धरना, जुलूस, रैली, डीजे और भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिबंध..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में कानून-व्यवस्था, लोक शांति एवं जन-सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती नेहा मीना ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर 02 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार सक्षम प्राधिकारी (अनुविभागीय दंडाधिकारी) की पूर्व लिखित अनुमति के बिना किसी भी व्यक्ति अथवा संगठन द्वारा धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली अथवा अन्य सार्वजनिक आयोजन करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम की अनुमति प्राप्त करने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घंटे पूर्व तथा बिना पुलिस अधिकारी के अभिमत के संबंधित एसडीएम कार्यालय में 72 घंटे पूर्व आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम की संपूर्ण वीडियोग्राफी कराना तथा आयोजन को शांतिपूर्ण एवं हिंसामुक्त बनाए रखना आयोजक संस्था एवं आयोजकों की जिम्मेदारी होगी।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अनुमति प्राप्त आयोजनों में भी ऐसे किसी नारे, पोस्टर, बैनर अथवा गीतों का उपयोग नहीं किया जाएगा, जिससे किसी धर्म, वर्ग या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे अथवा सामाजिक वैमनस्य फैलने की संभावना हो। कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार का शस्त्र प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। आयोजकों द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने पर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम तथा इंटरनेट के अन्य माध्यमों पर आपत्तिजनक, सांप्रदायिक, धार्मिक उन्माद फैलाने वाली अथवा भ्रामक एवं नफरत फैलाने वाली फोटो, वीडियो, पोस्ट, कमेंट या संदेश प्रसारित करना भी प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक अथवा सांस्कृतिक आयोजन में एसडीएम की पूर्व लिखित अनुमति के बिना लाउडस्पीकर, डीजे अथवा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। साथ ही रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। निर्धारित ध्वनि सीमा से अधिक ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर संबंधित उपकरण जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त जिले में शांति व्यवस्था भंग करने की मंशा से सड़कों एवं चौराहों पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करना तथा सड़कों पर पत्थर या अन्य वस्तुएं फेंकना भी प्रतिबंधित रहेगा।

यह आदेश पुलिस एवं सुरक्षा बलों, शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों, आपातकालीन सेवाओं, परीक्षा देने जा रहे विद्यार्थियों, पारंपरिक वैवाहिक आयोजनों तथा शव यात्रा पर लागू नहीं होगा।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा यह आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया गया है, आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 तथा अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

बाइक और साइकिल की आमने सामने हुई टक्कर, 2 घायल..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के घंसौर में शनिवार देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप बाइक और साइकिल की आमने-सामने टक्कर में दो लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसा शनिवार देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर के समीप हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक और साइकिल की आमने-सामने भिड़ंत के बाद दोनों सवार सड़क पर गिर गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

एक घायल जबलपुर रेफर..

हादसे में घंसौर निवासी दयाराम डेहरिया (40) को सामान्य चोटें आई हैं, जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। वहीं डोला गांव निवासी दुर्गेश परते (30) के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर बाइक व साइकिल को कब्जे में लिया। पुलिस दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने उठाए सड़क सुरक्षा पर सवाल..

स्थानीय लोगों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आसपास रात में पर्याप्त रोशनी नहीं रहती और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने इस मार्ग पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था, यातायात संकेतक और गति नियंत्रण के उपाय करने की मांग की है। पुलिस ने वाहन चालकों से रात के समय सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने की अपील की है। वहीं साइकिल चालकों को रिफ्लेक्टर और लाइट का उपयोग करने की सलाह दी गई है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके।

शिक्षक राजकुमार साहू सेवा निवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित

जगप्रेरणा कान्हीवाडा।

शिक्षक राजकुमार साहू की सेवा निवृत्ति पर शासकीय माध्यमिक शाला चुटका के विशाल मंच में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शाला स्टाफके अलावा आसपास के शिक्षक, सरपंच जनप्रतिनिधियों, संकुल केन्द्र कान्हीवाडा जन शिक्षक और नईम खान की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सभी 62 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके, 40 वर्ष की सेवा का गहन अनुभव रखने वाले शिक्षक राजकुमार साहू की भूरि भूरि प्रसंशा की। ज्ञात हो कि आपने अपनी 10 साल की जन शिक्षक के पद पर रहते हुए कान्हीवाडा में भी सराहनीय कार्य किया है। जिसे लोग हमेशा याद रखेंगे। अपनी बिदाई के अवसर पर आपने जरूरतमंद 10 बच्चों को शाला गणवेश और सभी बच्चों को आवश्यकतानुसार कापी, पेन का वितरण किया साथ ही 5000₹ की नगद राशि भी शाला को भेंट की। शाला चुटका और भटेखारी में की गई सेवा को लोग हमेशा याद रखेंगे। वर्तमान में पदस्थ प्रभारी रूपसिंह बघेल को शाला का समस्त प्रभार एवं शाला की चाभी सोंपी गई।

बंडोल पुलिस की कार्रवाई - मक्का लेकर फरार ट्रक चालक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

5.30 लाख का मक्का हड़पने के मामले में मऊगंज से पकड़ा गया आरोपी..

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा **SDOP** सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना बंडोल पुलिस ने धोखाधड़ी कर मक्का लेकर फरार हुए ट्रक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। दिनांक 26.04.2026 को प्रार्थी लकी पिता पूनाराम सूर्यवंशी, निवासी बंडोल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ट्रक क्र. **MP 53 HA 1980** के मालिक/चालक राजकुमार पिता छोटेलाल साकेत, निवासी ग्राम देवतालाब, थाना लौर, जिला मऊगंज (म.प्र.) को आवेदक का 252.05 क्विंटल मक्का, कीमत 5,30,460/- (पांच लाख तीस हजार चार सौ साठ रुपये) निर्धारित स्थान पर पहुंचाने के लिए दिया गया था। आरोपी ने मक्का को बताये गए स्थान पर न भेजकर बेईमानीपूर्वक स्वयं उपयोग कर लिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बंडोल में अपराध क्रमांक 142/26 धारा 316(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान आरोपी राजकुमार साकेत की लोकेशन ग्राम देवतालाब, थाना लौर, जिला मऊगंज में मिली। थाना प्रभारी बंडोल उप निरीक्षक मनोज जंघेला के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध विधिवत कार्रवाई कर उसे माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे सर्किल जेल सिवनी दाखिल कराया गया।

सराहनीय भूमिका-

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बंडोल उनि. मनोज जंघेला, सउनि. शिवेन्द्र वसूले, प्र.आर. जयेन्द्र बघेल की विशेष भूमिका रही।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

खिड़की घाट बना हादसों का अड्डा: एम. पी. आर. डी. सी. की लापरवाही से पलटे दो ट्रक, एक खाई में गिरा..

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी-सिवनी मुख्य मार्ग पर स्थित खतरनाक खिड़की घाट एक बार फिर बड़ी दुर्घटना का गवाह बना। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (स्क्क्रष्ट) की घोर लापरवाही और सड़क निर्माण में बरती गई

अनदेखी के कारण घाट पर कुछ ही दूरी के अंतराल में दो भारी मालवाहक ट्रक पलट गए। इन हादसों ने एक बार फिर विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी है, जहां साइड शोल्डर न होने और सड़कों के किनारों के कटने से हर वक्त मौत मंडराती रहती है। टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलटा टाइल्स से भरा ट्रकप्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हादसा उस समय हुआ जब मोरवी से वारासिवनी की ओर जा रहा एक ट्रक (नंबर स्न 40 ष्ट 9926) खिड़की घाट से नीचे उतर रहा था।

घाट की ढलान पर अचानक ट्रक का टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित होकर यह ट्रक बीच सड़क पर ही पलट गया। बताया जा रहा है कि इस ट्रक में भारी मात्रा में टाइल्स लोड थीं। गनीमत रही कि इस हादसे में चालक जितेंद्र पांडुरंग तितरमारे को गंभीर चोटें नहीं आईं और एक बड़ा जानमाल का नुकसान टल गया।साइड शोल्डर गायब, खाई में गिरा चावल के खंडे से भरा दूसरा ट्रकवहीं, दूसरी ओर एक और बड़ा हादसा स्क्क्रष्ट की बदहाल व्यवस्था के कारण घटित हुआ। सिवनी से कटंगी की ओर आ रहा चावल के खंडे (टुकड़ी) से भरा दूसरा ट्रक (नंबर स्क्क50 त्न 2487) सड़क के धंसने और साइड शोल्डर न होने की वजह से सीधे गहरी खाई में जा गिरा।

इस ट्रक के ड्राइवर ही उसके मालिक हैं, जिनका नाम इमरान जावेद खान है और वे छिंदवाड़ा के निवासी बताए जा रहे हैं। सड़क किनारे सुरक्षा घेरा या साइड शोल्डर न होने की वजह से जैसे ही ट्रक का पहिया किनारे पर गया, कटी हुई सड़क ने वाहन को संभाल नहीं पाया और ट्रक सीधे पलटते हुए खाई में समा गया।स्क्क्रष्ट की लापरवाही पर सुलगते सवालइस दोहरे हादसे ने खिड़की घाट की बदहाली और स्क्क्रष्ट की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों और राहगीरों का आरोप है कि इस मुख्य मार्ग की देखरेख का जिम्मा संभालने वाली एजेंसी स्क्क्रष्ट गहरी नींद में सोई हुई है। घाट सेक्शन होने के बावजूद यहां न तो सड़कों के कटाव को सुधारा गया है और न ही वाहनों की सुरक्षा के लिए मजबूत साइड शोल्डर या क्रैश बैरियर बनाए गए हैं।

सड़क किनारे की मिट्टी पूरी तरह कट चुकी है, जिससे भारी वाहनों को पास देते समय हमेशा खाई में गिरने का खतरा बना रहता है।विभाग केवल टोल वसूलने और कागजी मरम्मत में व्यस्त है, जबकि जमीन पर स्थिति यह है कि खिड़की घाट अब वाहन चालकों के लिए 'डेथ ट्रैप' (मौत का जाल) बनता जा रहा है। यदि समय रहते इन जानलेवा मोड़ों और कटी हुई सड़कों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में यहां किसी बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन को चाहिए कि वह कुंभकर्णी नींद से जागे और स्क्क्रष्ट के गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर सख्त कार्रवाई करे।

माय भारत के 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत ग्राम बिसापुर में दिलाई गई युवाओं को नशामुक्ति की शपथ..

जगप्रेरणा कटंगी।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माय भारत द्वारा संचालित 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया।

इस अवसर पर कटंगी तहसील के ग्राम पंचायत बिसापुर में माय भारत वालेंटियर एवं मेजर ध्यानचंद युवा उत्थान समिति के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम के बच्चों, युवाओं एवं नागरिकों को ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ का संकल्प दिलाया गया तथा सभी ने नशामुक्त, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। इसके पश्चात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संवाद का सामूहिक प्रसारण देखा गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शामिल हुए।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि ÷नशा युवाओं का फोकस भटका देता है और उनके सपनों को अधूरा कर देता है।÷ उन्होंने बताया कि आज एक करोड़ से अधिक युवा इस अभियान से एक साथ जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा एक मां की मुस्कान छीन लेता है, एक बहन की राखी की उम्मीद तोड़ देता है, एक छोटे भाई का आदर्श छीन लेता है और एक पिता की उम्मीदों को भी तोड़ देता है। उन्होंने महाविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों से भी अपने-अपने परिसर में नशामुक्ति अभियान चलाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि नशे के तस्करों के विरुद्ध सरकार लगातार कठोर कार्रवाई कर रही है और युवाओं को इस बुराई से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए।

कार्यक्रम में माय भारत वालेंटियर मोहिनी सोनवाने ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शिक्षा, योग, खेल एवं सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं।

इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद युवा उत्थान समिति के अध्यक्ष राजीव सोनवाने ने ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ के नारे के साथ युवाओं को खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं। यदि युवा खेल, योग और रचनात्मक कार्यों से जुड़ेंगे तो वे नशे जैसी बुराइयों से स्वतः दूर रहेंगे और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्रामपंचायत सरपंच श्रीमती अंजलि गोडबोले, ग्राम पंचायत सचिव महेश ठाकरे, पंचगण, माय भारत वालेंटियर मोहिनी सोनवाने, कुंवर सिंह गौतम, अध्यक्ष राजीव सोनवाने एवं गणमान्य नागरिक, युवा, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दोहराया।

आधी रात घर में घुसा बाघ, सो रही महिला को 50 मीटर तक घसीट ले गया; इलाज के दौरान मौत..

पर्रापुर में मातम के साथ फूटा गुस्सा: ग्रामीण बोले- एक साल से दे रहे थे सूचना, वन विभाग नहीं जागा; पीड़ित परिवार को नौकरी और आदमखोर बाघ को हटाने की मांग..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

बालाघाट जिले के आदिवासी बाहुल्य परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत कुमादेही अंतर्गत ग्राम पर्रापुर में रविवार तड़के हुई एक हृदय विदारक घटना ने पूरे वनांचल को झकझोर कर रख दिया।

रात के सन्नाटे में घर के भीतर सो रही 55 वर्षीय सुगनाबाई धुर्वे को एक बाघ घर में घुसकर जबड़ों में दबाते हुए करीब 50 मीटर दूर तक घसीट ले गया। पति, बेटे और ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुकी थीं। बैहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम, दहशत और वन विभाग के प्रति भारी आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार रविवार तड़के करीब एक बजे सुगनाबाई अपने घर में सो रही थीं। तभी बाघ घर में घुस आया और उन्हें जबड़ों में दबाकर बाहर ले जाने लगा। पति बुधराम धुर्वे की नींद खुली तो उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर पास में सो रहा बेटा टॉर्च लेकर बाहर दौड़ा। उसने देखा कि बाघ उसकी मां को घसीटते हुए जंगल की ओर ले जा रहा है। बेटे ने साहस दिखाते हुए मां को बचाने का प्रयास किया, लेकिन बाघ उसकी ओर भी झपटा। किसी तरह उसने अपनी जान बचाई। इसी बीच ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। लोगों के शोर और भीड़ को देखकर बाघ महिला को छोड़कर जंगल में भाग गया।

गंभीर रूप से घायल सुगनाबाई को तत्काल 108 एंबुलेंस से बैहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाघ के हमले में उनके शरीर पर गहरे घाव थे और सिर में भी गंभीर चोटें आई थीं। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बावजूद विभाग ने बाघ की गतिविधियों को गंभीरता से नहीं लिया। ग्रामीणों ने कुछ समय तक शव एंबुलेंस से उतारने से भी इनकार कर दिया और अधिकारियों के सामने अपना रोष जताया।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक वर्ष से क्षेत्र में बाघ का आतंक बना हुआ है। बाघ कई बार मवेशियों, कुत्तों और मुर्गियों का शिकार कर चुका है। इसकी सूचना बार-बार वन विभाग को दी गई, लेकिन उनके अनुसार विभाग ने न तो नियमित गश्त बढ़ाई, न ही गांवों की सुरक्षा के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था की। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते ठोस कार्रवाई की जाती तो शायद आज एक महिला की जान नहीं जाती।

ग्रामीणों ने बताया कि यह क्षेत्र में बाघ के हमले से चौथी मानव मृत्यु है। इससे पहले 14 जून को कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में कार्यरत एक फायर वॉचर की भी बाघ के हमले में मौत हो चुकी है। इसके बावजूद संवेदनशील गांवों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी के प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए।

पर्रापुर गांव कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र से सटा हुआ है। आसपास घना जंगल होने के कारण वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि जंगल की सीमा पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय, प्रभावी निगरानी और आवश्यक प्रबंधन के अभाव में जंगली जानवर लगातार आबादी तक पहुंच रहे हैं। लोगों ने यह भी मांग उठाई कि जंगल किनारे लेंटाना का उन्मूलन कराया जाए और मानव बस्तियों की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाए।

घटना की सूचना मिलते ही जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास करते हुए कहा कि लोगों की नाराजगी स्वाभाविक है और वन विभाग को उनकी समस्याओं का गंभीरता से समाधान करना चाहिए। वहीं जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे ने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, तत्काल आर्थिक सहायता, अंतिम संस्कार के लिए राहत राशि, जंगल किनारे लेंटाना उन्मूलन तथा हमले के लिए जिम्मेदार बाघ को पकड़कर अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग रखी।

वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शासन के प्रावधानों के अनुसार पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा उनकी मांगों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल है तथा ग्रामीण रात के समय घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं।

रामेश्वर कटरे बोले- यह केवल एक परिवार का नहीं, पूरे समाज का दर्द है

इस हृदय विदारक घटना पर क्षेत्र के समाजसेवी रामेश्वर कटरे ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पर्रापुर में घटी यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे वनांचल क्षेत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। उन्होंने कहा कि किसी परिवार की मां का इस तरह असमय दुनिया से चले जाना अत्यंत पीड़ादायक है और ऐसी घटनाएं हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देती हैं। कटरे ने दिवंगत सुगनाबाई धुर्वे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण जितना आवश्यक है, उतना ही वन क्षेत्रों से लगे गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी शासन और वन विभाग की है। यदि किसी क्षेत्र में लगातार वन्यजीवों की गतिविधियों और हमलों की सूचना मिल रही थी, तो समय रहते प्रभावी सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए थे।

उन्होंने शासन से मांग की कि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता, नियमानुसार सभी राहत सुविधाएं तथा परिवार के एक सदस्य को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही प्रभावित गांवों में नियमित गश्त, आधुनिक निगरानी तंत्र, त्वरित चेतावनी व्यवस्था और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए स्थायी एवं प्रभावी कार्ययोजना लागू की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी हृदय विदारक त्रासदी का सामना न करना पड़े।

सेवानिव्रत होने पर भारतीय सेना के वीर सपूत मनोज बिसेन का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किया भव्य सम्मान

जगप्रेरणा वारासिवनी।

भारतीय सेना के वीर सपूत मनोज राधेश्याम बिसेन के सेवानिव्रत होने पर आज नगर के जयस्तंभ चैक पर भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया गया। वीर सपूत के स्वागत के पश्चात पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की उनकी असाधारण सेवा, साहस और समर्पण को कोटि कोटि नमन् व बधाई।

आज नगर के प्रमुख चैक जयस्तंभ मे प्रात समय देशभक्ति के समान नजारा आया। बडे डीजे की आवाज के बीच जब भारतीय सेना के वीर सपूत मनोज राधेश्याम बिसेन खुले वाहन मे अपने साथियो के साथ पहुचे तो उनके स्वागत मे उत्साह के साथ स्वागत करने वालो का तांता सा लगता देखा गया।

वीर सपूत का स्वागत करने के बाद पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की सरहदों की रक्षा में उनका निस्वार्थ योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। सेवानिवर्ती के बाद आपका यह सफर आपके लिए खुशियो व सुकून भरा हो। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले सहित भाजपा मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल, जसवंत पटले, पूर्व पार्षद विक्की ऐडे, युवा नेता प्रबल जायसवाल आदि भाजपा परिवार साथ भी रहा। ज्ञात हो की लालपुर निवासी मनोज बिसेन ने लगातार 16 साल से अधिक समय तक पठानकोट, कारगिल, भटिंगड़ा, जोशीमठ, बिनगुड़ी, सिकंदराबाद आदि जगहों पर सेवाकार्यो से अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। और थलसेना के तकनीक कोर ईएमई कोर से वे सेवानिव्रत हुये है। जयस्तंभ के पश्चात यह कारवा ग्रह निवास लालपुर की ओर इसी उत्साह से जाता हुआ भी दिखायी दिया है।

तिरोड़ी के दिनेश देहाती को आजीवन उपलब्धि सम्मान..

जगप्रेरणा तिरोड़ी।

मॉयल लिमिटेड तिरोड़ी खान में राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी काव्य गोष्ठी का आयोजन स्थानीय प्रशासनिक भवन के सभागृह में 31जुलाई को किया गया।

खान प्रबंधक श्री मनीष ढोके जी की अध्यक्षता एवं श्री रितेश माने जी की विशेष उपस्थिति में इस काव्य गोष्ठी का मंच संचालन दिनेश कनोजे देहाती ने किया। साथ ही आमंत्रित कवियों में सर्वप्रथम काव्य पाठ संजय तांडेकर अश्क खैरलांजी ने किया। उनके पश्चात श्री प्रेमनारायण साहू बरेली और डॉ राम कुमार चतुर्वेदी सिवनी उत्कृष्ट काव्य पाठ कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। अगले क्रम में दिनेश कनोजे देहाती ने अपने चिर-परिचित अंदाज में श्रोताओं को खूब गुदगुदाया।

अंत में सभी सहभागी कवियों को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। दिनेश कनोजे देहाती को उनके उल्लेखनीय साहित्यिक योगदान के लिए मॉयल लिमिटेड तिरोड़ी द्वारा आजीवन उपलब्धि सम्मान से खान प्रबंधक एवं सभी उपस्थित अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री आनंद बागड़े, श्री उदित बोथरा, श्री मानके, श्री मनोज पाण्डेय, श्री विलाश सोनटक्के के साथ प्रचुर मात्रा में कर्मचारी उपस्थित थे।श्री दिनेश देहाती की इस उपलब्धि पर रामकुमार चतुर्वेदी, प्रेमनारायण साहु,संजय अश्क और देश प्रदेश के साहित्यकारों ने अपार बधाई शुभकामनाएं दी।श्री देहाती को यह पुरस्कार जीवनभर की मेहनत का परिणाम है।

॥ श्री जीणमाता की जय ॥
॥ जय गुलाब बाबा नमः ॥
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live देश विदेश
भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जनसहभागिता से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति, 'प्रस्फुटन शक्ति संचय' प्रशिक्षण सम्पन्न..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संवाद योजना के अंतर्गत शनिवार को ÷प्रस्फुटन शक्ति संचय÷ विकासखंड स्तरीय मासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा जनसहभागिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को गति देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्र ÷संगच्छध्वं संवदध्वं÷ के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने प्रस्फुटन समितियों से सक्रिय भूमिका निभाते हुए लोगों को योजनाओं से जोड़ने का आह्वान किया।

जिला समन्वयक श्री महेश पटले ने कहा कि प्रस्फुटन समितियाँ शासन और समाज के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रही हैं। समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई दिशा मिल रही है तथा जनसहभागिता से योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन संभव हो रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रस्फुटन संस्थाओं के संचालन, अभिलेख संधारण, नियमित रिपोर्टिंग, समिति की कार्यप्रणाली एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित अनेक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को ग्राम स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था के कुंदन मेरवी, राजीव परते, अमित पाटिल, राजेन्द्र बिसेन, मंजूलता चौधरी, विभिन्न सेक्टरों के मेंटर शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, आकांक्षा तेकाम, संगीता मार्को, भवर सिंह मेरावी सहित प्रस्फुटन समितियों के सक्रिय सदस्य संदीप गजभिये, अभय यादव एवं बड़ी संख्या में समिति सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने ÷माँ के नाम एक पेड़÷ अभियान को सफल बनाने, पर्यावरण संरक्षण एवं समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

साइकिल राइडर्स के साथ कोटेश्वर धाम पहुंचे गोंदिया नगर पालिका अध्यक्ष..

सचिन शेंड़े और उनकी टीम ने अभिषेक पूजा कर सबके लिए मांगा आशीर्वाद

जगप्रेरणा लांजी।

देवों के देव महादेव के पावन स्वरूप श्री कोटेश्वर नाथ भगवान सदियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से उनके दरबार में पहुंचने वाले प्रत्येक भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में नई ऊर्जा एवं आध्यात्मिक शक्ति का संचार होता है। सावन माह में शिवभक्ति का यही अनुपम स्वरूप उस समय देखने को मिला, जब महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के नगर परिषद अध्यक्ष एवं प्रखर शिवभक्त सचिन भाऊ गोविंददास शेंडे ने लगभग आधा सैकड़ा साइकिल राइडर्स के साथ 102 किलोमीटर की धार्मिक साइकिल यात्रा कर मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक एवं प्राचीन कोटेश्वर महादेव धाम, लांजी पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के श्रीचरणों में शीश नवाया। सचिन भाऊ शेंडे ने बताया कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, हिंदू धर्म के प्रति जन-जन में आस्था जागृत करने तथा समाज में धार्मिक चेतना का संदेश देने का एक विनम्र प्रयास है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा और अटूट विश्वास ही उन्हें निरंतर ऐसी धार्मिक यात्राओं के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि सभी शिवभक्त रविवार प्रातः 5:10 बजे गोंदिया से साइकिल यात्रा पर निकले और लगभग 8:10 बजे कोटेश्वर महादेव धाम पहुंचे। वहां सभी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान कोटेश्वर नाथ का पूजन-अर्चन एवं जलाभिषेक कर प्रदेश, देश, समाज एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। श्री शेंडे ने कहा कि कोटेश्वर धाम पहुंचकर जो आध्यात्मिक शांति और दिव्य अनुभूति प्राप्त हुई, वह अविस्मरणीय है। मंदिर परिसर की सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं, श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं तथा सेवा भाव से संचालित भंडारे ने सभी का मन मोह लिया। उन्होंने विशेष रूप से बोल बम सेवा समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समिति पिछले कई वर्षों से हजारों कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए निःस्वार्थ भाव से महाप्रसाद, विश्राम और सेवा की व्यवस्था कर रही है। वर्तमान समय में जब समाज को अपनी संस्कृति और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है, तब समिति का यह कार्य वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायी है। ऐसे सेवा कार्यों से हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था और अधिक सुदृढ़ होती है तथा समाज में सनातन संस्कृति के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है। यात्रा के दौरान बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने सभी साइकिल यात्रियों का अपने कार्यालय में आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया तथा आगामी 24 अगस्त को आयोजित होने वाले विशाल महाभंडारे में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस पर सचिन भाऊ शेंडे ने कहा कि वे पुनः कोटेश्वर महादेव की सेवा में उपस्थित होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

श्री शेंडे ने बताया कि संपूर्ण सावन माह के दौरान उनकी टीम जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रमुख शिव मंदिरों तक लगातार धार्मिक साइकिल यात्राएं करेगी। इन यात्राओं का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ-साथ युवाओं एवं समाज में सनातन संस्कृति, हिंदू धर्म और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति आस्था एवं जागरूकता का विस्तार करना है। इस धार्मिक यात्रा में घनश्याम उके, मनोज बिसेन, ललित बहेलिया, संतोष श्रीवास, निखिल बहेकार, विवेक सोनेकर, कुणाल शेंडे, ऋषि कठाने, अभिषेक जगने, अथर्व शेंडे सहित लगभग आधा सैकड़ा शिवभक्त एवं साइकिल राइडर्स शामिल रहे। ÷बोल बम... हर-हर महादेव÷ के गगनभेदी जयघोष के साथ पूरी यात्रा भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई।

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संवाद के साथ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में आयोजित हुआ 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' संकल्प अभियान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के **MY Bharat** के अंतर्गत संचालित **"MY Bharat Yuva Connect – Nasha Mukt Yuva for Viksit Bharat"** अभियान के तहत रविवार को ÷नशा मुक्त युवा, विकसित भारत÷ संकल्प कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ÷नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।÷

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, समस्त प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ, जिले के छात्र-छात्राएँ, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के प्रतिनिधि तथा **MY Bharat** के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के अंतर्गत सभी उपस्थित जनों ने ÷नशा मुक्त भारत÷ की सामूहिक शपथ ग्रहण कर अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। साथ ही युवाओं को **MY Bharat** पोर्टल के माध्यम से ÷नशा मुक्त संकल्प÷ अभियान से जुड़कर इस जन-जागरूकता अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे एवं प्रो. सुखचंद एडे ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ राष्ट्रहित एवं समाजहित में ÷नशा मुक्त युवा - विकसित भारत÷ के संकल्प को पुनः दोहराया गया। महाविद्यालय में आयोजित यह अभियान युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सकारात्मक जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने तथा विकसित भारत के निर्माण के राष्ट्रीय संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं प्रभावशाली पहल साबित हुआ।

बिजली की आँख मिचौली से आम नागरिक परेशान, आवश्यक शासकीय कार्यों के साथ व्यापार प्रभावित..

जगप्रेरणा लांजी।

नगरीय क्षेत्र लांजी में पिछले करीब एक पखवाड़े से विद्युत व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाई हुई नजर आ रही है। दिन हो या रात, बिना पूर्व सूचना के बार-बार हो रही बिजली कटौती ने आम नागरिकों के साथ-साथ उन व्यापारियों की मुश्किलें भी कई गुना बढ़ा दी हैं

जिनका कारोबार पूरी तरह विद्युत आपूर्ति पर निर्भर है। हालात यह हैं कि नगरवासियों में विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर भारी नाराजगी व्याप्त है। नगर में पिछले कई दिनों से कभी मेंटेनेंस तो कभी फाल्ट के नाम पर बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि पूरे वर्ष विद्युत लाइनों और उपकरणों का नियमित मेंटेनेंस किया जाता है तो मामूली बारिश या हल्के आंधी-तूफान के बाद ही व्यवस्था बार-बार क्यों चरमरा जाती है।

बार-बार होने वाली कटौती ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर मेंटेनेंस का वास्तविक लाभ उपभोक्ताओं को क्यों नहीं मिल पा रहा है। लगातार बाधित हो रही विद्युत सेवा का सबसे अधिक असर छोटे व्यापारियों पर पड़ा है। कम्प्यूटर सेंटर, फोटो कॉपी, प्रिंटिंग, वेल्डिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, सैलून सहित बिजली आधारित कई व्यवसायों का काम प्रभावित हो रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं घरेलू उपभोक्ताओं को भी भीषण गर्मी और उमस के बीच घंटों अंधेरे में समय बिताना पड़ रहा है। इधर नगर में यह चर्चा भी तेज है कि मेंटेनेंस कार्य में उपयोग की जा रही सामग्रियों की गुणवत्ता को लेकर लोगों के बीच असंतोष है। लगातार सामने आ रही तकनीकी खराबियों के कारण उपभोक्ताओं का विभागीय व्यवस्था से भरोसा डगमगाने लगा है। नगरवासियों का मानना है कि यदि समय रहते व्यवस्था को स्थायी रूप से दुरुस्त नहीं किया गया तो आने वाले बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बोले लांजी विद्युत विभाग, कनिष्ठ अभियंता ललित सिंह मार्को..

÷आज डोंगरगांव लाइन में फाल्ट होने के कारण विद्युत सेवा प्रभावित हुई है। अलग-अलग दिनों में भी विभिन्न कारणों से विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसे हमारे द्वारा तत्काल सुधारकर निर्बाध रूप से चालू करने का प्रयास किया जाता है। उपकरणों के बार-बार खराब होने का कोई बड़ा कारण नहीं है। जो भी उपकरण हमें उपलब्ध होते हैं, वे वरिष्ठ स्तर पर जांच-पड़ताल के बाद ही प्राप्त होते हैं।÷

मैत्रेय पब्लिक स्कूल में लोकतांत्रिक प्रणाली से हुआ छात्र संघ चुनाव..

जगप्रेरणा लांजी।

ग्राम देवलगांव स्थित मैत्रेय पब्लिक स्कूल में शनिवार 1 अगस्त को लोकतंत्र का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। विद्यालय में पहली बार वास्तविक चुनावी प्रक्रिया के तहत छात्र संघ का चुनाव कराया गया। नामांकन, चुनाव प्रचार, गुप्त मतदान, मतपेटी तथा मतगणना सहित पूरी प्रक्रिया विधानसभा और लोकसभा चुनाव की तर्ज पर पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न हुई। सुबह से ही विद्यालय परिसर में चुनावी माहौल बना रहा। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के पक्ष में मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना की गई, जिसमें पूरे विद्यालय परिसर में परिणामों को लेकर उत्सुकता का माहौल रहा। कड़े मुकाबले के बाद घोषित परिणामों में तनवी पटले ने वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष पद पर शानदार जीत दर्ज की, जबकि छवि पटले उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय तालियों और खुशी के नारों से गूंज उठा। विद्यालय के संचालक प्रशांत मेश्राम ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल छात्र प्रतिनिधियों का चयन करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को लोकतंत्र की वास्तविक चुनावी प्रक्रिया से परिचित कराना भी था। इस प्रयोग के माध्यम से विद्यार्थियों ने मतदान की पूरी प्रक्रिया को निकट से देखा और जिम्मेदार मतदाता बनने के महत्व को समझा। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेन्द्र नाईक, चमरूलाल ढवरे, कार्यक्रम संयोजक सुभाष नेवारे तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की निगरानी में निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। परिणाम घोषित होने के बाद संचालक प्रशांत मेश्राम एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का माल्यार्पण कर तथा मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, लोकतंत्र की मूल भावना तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।अपने संबोधन में प्रशांत मेश्राम ने कहा कि लोकतंत्र को समझने का सबसे प्रभावी तरीका मतदान की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव है। वहीं प्राचार्य एवं चुनाव अधिकारियों ने विद्यार्थियों से कहा कि लोकतंत्र केवल पुस्तकों तक सीमित विषय नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रकार के प्रयोग विद्यार्थियों में मतदान के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और सही प्रतिनिधि चुनने की समझ विकसित करते हैं, जो उन्हें भविष्य का सजग मतदाता बनने में सहायक सिद्ध होंगे।

हैदराबाद में कार ने स्कूटर को मारी टक्कर, बुजुर्ग की मौत..

हैदराबाद, (भाषा)।

तेलंगाना के हैदराबाद में रविवार को तेज रफ्तार एक कार ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे 65 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि कार कथित तौर पर एक नाबालिग चला रहा था। पुलिस के अनुसार, यह हादसा कर्मिका नगर इलाके में उस समय हुआ, जब दोनों व्यक्ति स्कूटर से गिरजाघर की ओर जा रहे थे। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज में एक कार को विपरीत दिशा से आ रहे स्कूटर को टक्कर मारते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि स्कूटर पर दो लोग सवार थे। सीसीटीवी फुटेज में स्कूटर पर पीछे बैठे बुजुर्ग को कार के पहियों के नीचे आते देखा जा सकता है। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

वहीं, स्कूटर चला रहे उनके रिश्तेदार को चोटें आई हैं। इस दुर्घटना में सड़क किनारे खड़े सात अन्य दोपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कार कथित तौर पर 17 वर्षीय एक नाबालिग चला रहा था और वह बारहवीं कक्षा का छात्र है। उन्होंने बताया कि उसके साथ कार में उसका एक अन्य नाबालिग मित्र भी सवार था। पुलिस ने नाबालिग चालक को पकड़ लिया है।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

भारतीय जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग कांस्य पदक मुकाबला हारी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों के महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के प्लेऑफ में पूरा दमखम लगाया लेकिन कनाडा की कोराली गॉडबू से युको से हार गईं।

इसके साथ ही भारत का जूडो अभियान रविवार को बिना किसी पदक के समाप्त हो गया। इशरूप रेपेशॉज मुकाबले में कैमरून की लंबी कद काठी की मजबूत खिलाड़ी जॉर्जिका वेस्ली जेंगुए मौने को हराकर कांस्य पदक की दौड़ में थीं। लेकिन वह कांस्य पदक मुकाबले में सफलता हासिल नहीं कर सकीं। पंजाब की 19 साल की इशरूप के लिए आक्रामक गॉडबू की चुनौती मुश्किल साबित हुई। निर्धारित समय के दौरान इशरूप को दो पेनल्टी मिली और अंततः वह गोल्डन स्कोर में मुकाबला हार गईं। भारत के अवतार सिंह को हालांकि पुरुषों के 100 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के अरिस्टोस माइकल के खिलाफ इप्पोन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं यश घंघास भी पुरुषों के 100 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में राउंड 16 में वेल्स के जोशुआ व्हाइटहाउस से 0-1 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। अब तक भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य सहित कुल 39 पदक जीते हैं।

जूडो ने भारत के पदक अभियान में चार पदकों का योगदान दिया जिसमें दो ऐतिहासिक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

इससे पहले इशरूप के क्वार्टर फाइनल में हारने से स्वर्ण पदक जीतने का अभियान समाप्त हो गया था। उन्हें इंग्लैंड की एमा रीड ने इप्पोन से हरा दिया। चार मिनट तक चले इस मुकाबले में इशरूप को दो पेनल्टी (शिडो) मिली जबकि एमा ने दो 'वाजा-आरी' हासिल कर जीत सुनिश्चित की।

इशरूप ने स्कॉटलैंड की निकोल वुड को हराकर महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी जिसमें निर्धारित समय के अंत तक मुकाबला बराबरी पर रहा। इस दौरान दोनों खिलाड़ियों को एक-एक पेनल्टी मिली। भारतीय खिलाड़ी ने गोल्डन स्कोर में एक मिनट 40 सेकेंड के बाद निर्णायक युको हासिल कर पांच मिनट 40 सेकेंड तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। वहीं यश के खिलाफ व्हाइटहाउस ने मुकाबले के बीच में एक निर्णायक युको हासिल किया और अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखी। चार मिनट तक चले मुकाबले में यश को दो पेनल्टी भी मिलीं और वह वापसी नहीं कर सके। इसके साथ ही उनका अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। युको खिलाड़ी के प्रतिद्वंद्वी को गिराने या प्रतिद्वंद्वी को पांच से नौ सेकेंड तक 'होल्ड-डाउन' करने पर दिया जाता है। वहीं इप्पोन जूडो का सर्वोच्च अंक होता है। इप्पोन मिलते ही मुकाबला तुरंत समाप्त हो जाता है।

कौन हैं सुरभि दास? 'रामायण' में बनीं 'सीता' की बहन 'श्रुतकीर्ति', बॉलीवुड डेब्यू को तैयार..

डेस्क जगप्रेरणा।

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है, जो अपने VFX, किरदार और कहानी को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है। इसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी

और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में कई ऐसे स्टार भी दिखाई देंगे, जो इस फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा होंगे। हम बात कर रहे हैं सुरभि दास की, जो 4000 करोड़ में बनी 'रामायण' से बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। टेलीविजन पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड 'रामायण' में नजर आने वाली हैं।

'रामायण' से सुरभि दास करेंगी बॉलीवुड डेब्यू..

अपने टेलीविजन करियर के लिए नॉर्थ-ईस्ट से मुंबई आई सुरभि दास को नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' में एक अहम भूमिका मिली है। मनीकंट्रोल को दिए इंटरव्यू में सुरभि दास ने बताया कि उनका सफर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक ऑडिशन से शुरू हुआ था। हालांकि, कन्फर्मेशन आने में लगभग दो महीने लग गए और तब तक वह अपने शो 'पांड्या ब्रदर्स' की शूटिंग शुरू कर चुकी थीं। सुरभि ने कहा:

'मैं मुकेश छाबड़ा के पास गई और ऑडिशन दिया। लगभग दो महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे चुन लिया गया है। उसके बाद लुक टेस्ट और कॉस्ट्यूम ट्रायल हुए।

धीरे-धीरे मुझे सब समझ आने लगा। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं इन दिग्गजों के साथ स्क्रीन शेयर करूंगी। यह एक अद्भुत एहसास है और मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं।' हाल के सालों में टेलीविजन पर काम करने के बावजूद उन्होंने साफकिया कि फिल्मों में उनका आना किसी निराशा की वजह से नहीं, बल्कि एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ने की सच्ची इच्छा की वजह से था। मैं इसे संघर्ष नहीं कहूंगी। यह बस एक प्रक्रिया है। हम फिल्मी परिवारों से नहीं आते हैं, जहां कोई एक फोन कॉल करके हमें काम दिला सके। आपको ऑडिशन देना होता है और लगातार ऑडिशन देते रहना पड़ता है, जब तक आपके प्रोजेक्ट रिलीज नहीं हो जाते, आपको सही रोल मिलने पर कास्टिंग डायरेक्टर से संपर्क करते रहना पड़ता है।'

सुरभि दास 'रामायण' में बनीं 'सीता' की बहन श्रुतकीर्ति..

मनीकंट्रोल के साथ बातचीत में सुरभि ने दिवाली 2026 को रिलीज होने वाली 'रामायण' में रोल मिलने के बारे में बात की और अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने कि वह श्रुतकीर्ति का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उर्मिला का किरदार नहीं निभा रही हूं। मैं श्रुतकीर्ति का किरदार निभा रही हूं, जो सीता की सबसे छोटी बहन और शत्रुघ्न की पत्नी हैं।

मैं रामायण का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं, भले ही यह एक छोटा सा रोल हो। जब मुझे फोन आया तो मैं सोचती रही कि क्या मुझे सिर्फ शॉर्टलिस्ट किया गया है या फिल्म के लिए पक्का चुन लिया गया है। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था। इतनी बड़ी स्टार कास्ट और इतने बड़े पैमाने पर बन रही फिल्म का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा लग रहा था।'

'रामायण' के बाद सुरभि दास को मिले कई ऑफर..

सुरभि दास ने कहा कि उन्हें लगातार मौके मिलते रहे। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया कि 'जब मैं असम से आई थी तब मैं पहले से ही 'निमा डेंजोंगपा' कर रही थी। उसके बाद मैंने 'पांड्या स्टोर' किया। फिर मैंने टेलीविजन से दूर होने का फैसला किया। 'रामायण' में काम किया और अब मेरे पास दो और फिल्में हैं। मैं खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे कभी भी काम के बिना लंबे समय तक खाली नहीं बैठना पड़ा।' वह 1971 की लड़ाई पर आधारित एक फिल्म में दिखाई देने वाली है। इसके अलावा विकास बहल की 'दिल का दरवाजा खोलना डार्लिंग' भी शामिल है।

ग्लास्गो के रेस्टोरेंट में भारत के नक्शे से गायब था नॉर्थ-ईस्ट, बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने जताई आपत्ति...

डेस्क जगप्रेरणा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए मेडल जीतने के बाद जश्न का माहौल था, लेकिन ग्लास्गो के एक भारतीय रेस्टोरेंट में हुई एक छोटी-सी चूक ने भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन का ध्यान खींच लिया।

असम की रहने वाली लवलीना ने देखा कि रेस्टोरेंट में इस्तेमाल किए जा रहे भारत के नक्शे में पूर्वोत्तर यानी नॉर्थ-ईस्ट का हिस्सा ही नहीं दिखाया गया था। इसे देखकर उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की और रेस्टोरेंट मैनेजमेंट से इस गलती को सुधारने की अपील की।

लवलीना ने रेस्टोरेंट मैनेजमेंट को दिलाया ध्यान..

यह घटना उस समय हुई जब कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के मुक्केबाजों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 7 गोल्ड और 3 सिल्वर सहित कुल 10 मेडल जीते। इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए भारतीय बॉक्सिंग दल ग्लास्गो के प्रसिद्ध भारतीय रेस्टोरेंट मिस्टर सिंह इंडिया द होम ऑफ करी पहुंचा था। इसी दौरान लवलीना की नजर रेस्टोरेंट के बाहर लगे साइनबोर्ड और टेबल पर रखे नैपकिन पर छपे भारत के नक्शे पर गई। उन्होंने पाया कि उसमें भारत का पूर्वोत्तर हिस्सा नहीं दिखाया गया है। इसके बाद उन्होंने शांत और सम्मानजनक तरीके से रेस्टोरेंट मैनेजमेंट के सामने अपनी बात रखी। लवलीना ने कहा कि प्लीज उनकी बात का गलत मतलब मत निकालिए। उन्हें यह देखकर थोड़ा दुख हुआ कि भारत के नक्शे में हमारा नॉर्थ-ईस्ट नहीं है। बाहर लगे बोर्ड पर भी यही गलती है। वह नॉर्थ-ईस्ट से आती हैं और यह हमारे लिए तकलीफ देने वाली बात है। बस इतना कहना चाहती हूं कि अगली बार इसका ध्यान रखें। धन्यवाद।

रेस्टोरेंट ने दिया भरोसा..

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ यानी **BFI** के अध्यक्ष अजय सिंह ने भी स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी तरह का विवाद या बहस नहीं हुई। उन्होंने कहा कि लवलीना और उन्होंने मिलकर यह गलती रेस्टोरेंट मैनेजमेंट के संज्ञान में लाई, जिसके बाद मालिक ने तुरंत अपनी भूल स्वीकार की और इसे जल्द सुधारने का भरोसा दिया।

अजय सिंह ने **PTI** से कहा कि यह कोई टकराव नहीं था। हमने सिर्फ उनकी गलती की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की और आश्वासन दिया कि इसे ठीक कर दिया जाएगा। ग्लास्गो का यह रेस्टोरेंट भारतीय व्यंजनों के लिए काफी लोकप्रिय माना जाता है और इससे पहले कई टीमों और खास मेहमानों की मेजबानी भी कर चुका है। अब इस घटना के बाद रेस्टोरेंट मैनेजमेंट ने भारत के सही नक्शे का इस्तेमाल करने का भरोसा दिया है।

विवेक ओबेरॉय ने दिखाई दरियादिली, 'रामायण' में 'विद्युत्जिह्व' बन मिली पूरी फीस कैंसर पीड़ित बच्चों को करेंगे दान..

डेस्क जगप्रेरणा।

विवेक ओबेरॉय भारतीय सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक नितेश तिवारी की 'रामायण' में नजर आने वाले हैं। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी स्टारर इस फिल्म में वे लंकापति रावण की बहन शूर्पणखा के पति विद्युत्जिह्व के किरदार में नजर आने वाले हैं।

हालांकि, विवेक ओबेरॉय अब इस फिल्म के अलावा अपनी दरियादिली की वजह से भी चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर के एक नेक फैसले ने लोगों का दिल जीत लिया है। उन्होंने इस फिल्म से मिलने वाली अपनी पूरी फीस कैंसर पीड़ित बच्चों को दान करने का फैसला किया है।

विवेक ओबेरॉय कैंसर पीड़ित बच्चों को फीस करेंगे दान..

विवेक ओबेरॉय ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा से कहा कि मैं इसके लिए एक पैसा भी नहीं लेना चाहता। मैं इसे एक ऐसे काम के लिए डोनेट करना चाहता हूं, जिसमें मेरा विश्वास है। मैं कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए पूरी फीस दान करना चाहता हूं। मैंने उनसे कहा कि मैं आपको सपोर्ट करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे आपका काम बहुत पसंद है और मुझे लगता है कि यह भारतीय सिनेमा को ग्लोबल स्टेज पर जबरदस्त तरीके से ले जाएगी।'

'रामायण' पर क्या बोले विवेक ओबेरॉय

इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, विवेक ओबेरॉय ने प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा और डायरेक्टर नितेश तिवारी के विजन की तारीफ की। साथ ही 'रामायण' को भारतीय सिनेमा के लिए एक टर्निंग पॉइंट बताया। ओबेरॉय ने न्यूज आउटलेट को कहा:

'नमित और नितेश जो कर रहे हैं, उससे भारतीय सिनेमा सच में ग्लोबल स्टेज पर पहुंच रहा है। रामायण हॉलीवुड की बड़ी फिल्मों को भारत का जवाब होगी। वे एक ऐसी कंपनी के साथ जुड़े हैं, जिसने **VFX** में सात-आठ ऑस्कर जीते हैं। भारतीय जड़ों वाली एक महान कहानी को ग्लोबल लेवल पर पेश करना है। इससे बड़ी और बेहतर बात और क्या हो सकती है। इसमें काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। मैं बहुत खुश था और पूरी टीम- नमित, नितेश, यश और रल प्रीत सिंह के साथ काम करने में बहुत मजा आया। अभी भी कुछ दिनों की शूटिंग बाकी है।'

विवेक ओबेरॉय की आने वाली फिल्में..

एक्टर की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह 'रामायण' के अलावा 'मस्ती 4' में नजर आएंगे। साथ ही संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास के साथ शूटिंग कर रहे हैं।

भारत ने पाकिस्तान को 2 विकेट से रौंदा, ऋषि धवन का शानदार प्रदर्शन, अंत में मिली रोमांचक जीत..

डेस्क जगप्रेरणा।

एशियन लीजेंड्स लीग 2026 का छठा मैच इंडियन रॉयल्स और पाकिस्तान पैंथर्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में इंडियन टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को 2 विकेट से मात दी।

इस मुकाबले में इंडियन रॉयल्स टीम के लिए ऋषि धवन और सरुल कंवर ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया। वहीं गेंदबाजी में शादाब जकाती और सुबोध भाटी ने 2-2 विकेट लिए।. ऋषि धवन ने इस मैच में बल्ले से 50 रन की बेहतरीन पारी खेली। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने 1 विकेट हासिल किए। यह इस टूर्नामेंट में इंडियन रॉयल्स टीम की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश टाइगर्स को हराया था।

इमरान नजीर ने पाकिस्तान पैंथर्स के लिए बनाए सबसे ज्यादा 47 रन..

इंडियन रॉयल्स की टीम ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद यासिर 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान इमरान नजीर ने 29 बॉल पर 47 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं इबरार अट्टा और तौफीक उमर ने 39-39 रन बनाए। यासिर शाह ने 10 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान पैंथर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 167 रन बना सकी। शादाब जकाती और सुबोध भाटी ने दो-दो विकेट लिए।

ऋषि धवन ने इंडियन रॉयल्स के लिए लगाया अर्धशतक..

टारगेट का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की टीम ने 17.4 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाकर दो विकेट से जीत हासिल की। कप्तान नमन ओझा का बल्ला इस मैच में भी नहीं चला और वह 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। अभिषेक जलोटा ने 19 बॉल पर 30 रन की पारी खेली। ऑलराउंडर ऋषि धवन ने 33 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। धवन ने अपनी पारी में 5 चौके और दो छक्के लगाए। वहीं सरुल कंवर ने 29 गेंदों में 46 रन का योगदान दिया। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के लगाए। अनुरीत सिंह ने 6 बॉल पर नाबाद 16 रन बनाकर जीत हासिल की। इन सभी की शानदार पारी के बदौलत इंडियन रॉयल्स की टीम ने आखिरी रोमांचक जीत दर्ज की। मोहम्मद इरफान, राहत अली और यासिर शाह ने दो-दो विकेट लिए।

अंकुर और यशस्विनी बने राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियन..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

अंकुर भट्टाचार्जी ने रविवार को 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का पुरुष और यशस्विनी घोरपड़े ने महिला एकल खिताब अपने नाम किया। अंकुर ने जहां कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की,

वहीं यशस्विनी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। पुरुष एकल फाइनल में अंकुर ने रोमांचक मुकाबले में पायस जैन को 4-3 (11-8, 9-11, 7-11, 11-8, 4-11, 11-4, 11-9) से हराकर खिताब जीता। निर्णायक गेम में पायस ने 7-4 की बढ़त बनाकर जीत की ओर कदम बढ़ा दिए थे, लेकिन अंकुर ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 8-8 से बराबर किया और फिर 10-9 की बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद पायस का रिटर्न बाहर जाने से अंकुर ने निर्णायक गेम 11-9 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। महिला एकल फाइनल में यशस्विनी ने एकतरफा अंदाज में श्रीजा अकुला को 4-1 (11-6, 11-1, 8-11, 11-7) से हराया। भारत ने इस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगभग सभी स्वर्ण पदक अपने नाम किए। मेजबान टीम को एकमात्र निराशा पुरुष युगल वर्ग में मिली, जहां मलेशिया के शेन क्यू वोंग और जावेन चोंग की जोड़ी ने फाइनल में भारत के मानव ठक्कर और मनुष शाह को 11-9, 12-10, 11-7 से हराकर खिताब जीता।

महिला युगल का फाइनल पूरी तरह भारतीय रहा, जिसमें श्रीजा अकुला और सिंड्रेला दास ने यशस्विनी घोरपड़े और दिव्यांशी भौमिक को 3-1 (11-8, 11-13, 11-8, 11-6) से हराकर खिताब जीता। मिश्रित युगल फाइनल में भारत के मानव ठक्कर और तनीषा कोटेचा ने शानदार वापसी करते हुए मलेशिया की ऐ जिन और रिचर्ड रुई की जोड़ी को 3-2 (11-8, 10-12, 10-12, 11-9, 11-5) से हराकर खिताब अपने नाम किया।

प्रो.पियुष सिंह बैस
फ़ैशन की दुनिया में धमाका
फैशन फैक्ट्री
For Boys & Girls
टी शर्ट, स्पोर्ट्स ट्रेक सूट, वूडी, वॉच, बेल्ट, कैप, फैशनेबल मफलर, मंकी कैप, गॉगल्स (सन ग्लास), इरींग, चैन, की चैन, वॉलेट, परफ्यूम, फैंसी लायटर
दीप प्लाईवुड के बाजू में, महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट (म.प्र.), मो.8827333882

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

युवा पीढ़ी आंदोलन के लिए विवश क्यों? इस पर भी मंथन होना चाहिए..

भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है। संयुक्तथ राष्ट्र जनसंख्या कोष, विश्व बैंक तथा विभिन्न जनसांख्यिकीय अध्ययनों के अनुसार भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यही विशाल युवा शक्ति भारत का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय लाभांश और 21वीं सदी में उसकी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी क्षमता है। यदि इस ऊर्जा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए, तो भारत न केवल विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ सकता है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ज्ञान-आधारित समाज का नेतृत्व भी कर सकता है।

विडंबना यह है कि यही युवा शक्ति समय-समय पर अपनी मूलभूत मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने के लिए विवश दिखाई देती है। रोजगार, शिक्षा, भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, सामाजिक न्याय, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा नीतिगत विसंगतियों जैसे विषयों पर युवाओं की सक्रिय भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। यह केवल असंतोष का संकेत नहीं, बल्कि उत्तरदायी, पारदर्शी और संवेदनशील शासन की लोकतांत्रिक अपेक्षा का भी प्रतीक है।

हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं का एक व्यापक आंदोलन इस दृष्टि से उल्लेखनीय रहा कि उसका संचालन किसी प्रमुख राजनीतिक दल की युवा शाखा द्वारा नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों के युवाओं के स्वतःस्फूर्त सहयोग से हुआ जहां इसका नेतृत्व किया गया कोकरोच पार्टी द्वारा।यह पार्टी न तो पंजीकृत हैं और न ही बहुत पुरानी।इस आंदोलन की प्रतिध्वनि देश के अनेक राज्यों और शहरों में सुनाई दी तथा इससे जुड़ी कुछ मांगों को सरकार ने माना भी । लोक परीक्षा संशोधन अधिनियम 2026 को इसी आंदोलन की देन कहा जा सकता है।यह अदोलन संकेत है कि डिजिटल युग में युवा अब पारंपरिक संगठनात्मक ढाँचों के बिना भी राष्ट्रीय स्तर पर संगठित होकर अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह एक नया संकेत है, जिस पर गंभीर मंथन आवश्यक है।

युवाओं के आंदोलन केवल भारत तक सीमित नहीं हैं। विश्व के अनेक देशों में जलवायु परिवर्तन, बेरोजगारी, लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा, सामाजिक असमानता और शिक्षा सुधार जैसे विषयों पर युवाओं ने व्यापक जनआंदोलन किए हैं। हाल के वर्षों में नेपाल और बांग्लादेश में हुए आंदोलनों में भी युवाओं की निर्णायक भूमिका रही। इन अनुभवों से स्पष्ट होता है कि जहाँ सरकारें संवाद, पारदर्शिता और समयबद्ध निर्णयों का मार्ग अपनाती हैं, वहाँ आंदोलनों का समाधान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से निकल आता है; किंतु जहाँ संवाद का अभाव होता है, वहाँ असंतोष टकराव का रूप धारण कर लेता है।

युवा आंदोलनों के मूल में उनकी आकांक्षाओं और उपलब्ध अवसरों के बीच बढ़ती खाई है। आज का युवा पहले की तुलना में अधिक शिक्षित, तकनीकी रूप से दक्ष, डिजिटल रूप से जुड़ा हुआ और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है। वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी शासन, योग्यता-आधारित अवसर, सम्मानजनक रोजगार तथा गरिमापूर्ण जीवन की अपेक्षा रखता है। जब इन अपेक्षाओं और वास्तविक परिस्थितियों के बीच दूरी बढ़ती है, तब असंतोष धीरे-धीरे आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर लेता है।

इस संकट का सबसे बड़ा कारण रोजगार की अनिश्चितता है। प्रतिवर्ष लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, किंतु उनके अनुरूप पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध नहीं हो पाते। समस्या केवल रोजगार की संख्या की नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता की भी है। सरकारी क्षेत्र में नियमित नियुक्तियों की गति धीमी हुई है, संविदा और आउटसोर्सिंग का दायरा बढ़ा है, अनेक चयन प्रक्रियाएँ वर्षों तक लंबित रहती हैं और कई प्रतियोगी परीक्षाएँ पेपर लीक अथवा अन्य कारणों से निरस्त हो जाती हैं। इससे युवाओं में यह भावना गहराती है कि परिश्रम और प्रतिभा के बावजूद सफलता सुनिश्चित नहीं है। निजी क्षेत्र में भी रोजगार की अनिश्चितता, सीमित वेतन वृद्धि, स्वचालन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण बदलती कार्य-प्रकृति नई चुनौतियाँ प्रस्तुत कर रही है।

इसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, परिणामों में विलंब, बार-बार परीक्षा निरस्त होना और भविष्य की अनिश्चितता अनेक युवाओं को तनाव, अवसाद तथा आत्मविश्वास की कमी की ओर धकेल रही है। इससे स्पष्ट है कि रोजगार और शिक्षा का संकट अब सामाजिक स्वास्थ्य का भी गंभीर प्रश्न बन चुका है।

शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण भी चिंता का विषय है। विद्यालय से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक का व्यय निरंतर बढ़ रहा है, जबकि गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक संस्थानों की संख्या उसी अनुपात में नहीं बढ़ सकी है।

महँगी कोचिंग व्यवस्था, बार-बार बदलते परीक्षा पैटर्न और प्रतियोगी परीक्षाओं की अनिश्चितता ने युवाओं तथा उनके परिवारों पर आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ाया है। जब वर्षों की तैयारी के बाद परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता ही प्रश्नों के घेरे में आ जाए, तो व्यवस्था के प्रति विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है।

आज युवाओं को केवल 'जॉब सीकर' नहीं, बल्कि 'जॉब क्रिएटर' बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। निस्संदेह, स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और उद्यमिता भारत की बड़ी उपलब्धियाँ हैं। किंतु प्रत्येक युवा उद्यमी नहीं बन सकता। पूँजी, तकनीकी मार्गदर्शन, बाजार तक पहुँच, जोखिम उठाने की क्षमता और प्रारंभिक आर्थिक सुरक्षा सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध नहीं होती। इसलिए उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सरकारों की यह जिम्मेदारी भी है कि वे पर्याप्त, गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक रोजगार के अवसर सृजित करें।

राजनीतिक व्यवस्था को भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। अधिकांश राजनीतिक दल युवाओं की ऊर्जा का उपयोग चुनावी अभियानों, रैलियों और आंदोलनों में तो करते हैं, किंतु नीति-निर्माण, संगठनात्मक नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में उन्हें अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाता। जिन निर्णयों का सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ता है, उनमें उनकी सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है।

सूचना एवं संचार क्रांति ने आंदोलनों के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। सोशल मीडिया ने संवाद को लोकतांत्रिक बनाया है। कोई भी स्थानीय समस्या कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन सकती है। यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक है, किंतु इसके साथ भ्रामक सूचनाओं, अफ्वाहों और दुष्प्रचार का खतरा भी बढ़ा है। इसलिए डिजिटल साक्षरता, तथ्य-जाँच और जिम्मेदार संवाद आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। किंतु किसी भी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसकी नैतिकता, अनुशासन और अहिंसक स्वरूप में निहित होती है। हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाना किसी भी न्यायोचित आंदोलन की नैतिक शक्ति को कमजोर कर देता है। दूसरी ओर, शासन और प्रशासन को भी युवाओं की प्रत्येक आवाज़ को केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानने के बजाय संवाद, संवेदनशीलता और समयबद्ध समाधान की दृष्टि से देखना चाहिए।

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि युवा सड़कों पर क्यों हैं, बल्कि यह है कि ऐसी परिस्थितियाँ बार-बार क्यों उत्पन्न हो रही हैं। यदि प्रतिभाशाली और परिश्रमी युवाओं को अपने अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा के लिए बार-बार आंदोलन का सहारा लेना पड़े, तो यह केवल उनकी निराशा नहीं, बल्कि व्यवस्था के समक्ष आत्ममंथन का विषय भी है। इसका उत्तर केवल सरकारों को ही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था, प्रशासन, राजनीतिक दलों और पूरे समाज को मिलकर देना होगा।

यदि भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता अक्षुण्ण रखी जाए, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराई जाए, रोजगार के अवसरों का विस्तार हो, कौशल विकास को उद्योगों से जोड़ा जाए तथा युवाओं के साथ निरंतर और सार्थक संवाद स्थापित किया जाए, तो यही युवा शक्ति विकसित भारत-2047 के स्वप्न को साकार करने की सबसे बड़ी आधारशिला बन सकती है।

भारत का भविष्य केवल उसके प्राकृतिक संसाधनों, तकनीकी उपलब्धियों या आर्थिक विकास दर पर निर्भर नहीं करेगा, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करेगा कि देश का युवा स्वयं को व्यवस्था का सहभागी मानता है या उपेक्षित। जिस राष्ट्र का युवा आशावान होता है, वही राष्ट्र समृद्ध, सशक्त और स्थायी प्रगति करता है।

इसलिए आवश्यकता युवा आंदोलनों की आलोचना करने की नहीं, बल्कि उन कारणों को दूर करने की है जो राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति को आंदोलन का मार्ग चुनने के लिए विवश करते हैं। यही लोकतंत्र की परिपक्वता और विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

बच बच के चलता रहा..

बच बच के चलता रहा
कांटों से उम्र भर,
क्या खबर थी कि
चोंट फूल से लग जाएगी।

करता रहा औरों की खुशियों के लिए
जिंदगी भर भाग दौड़,
क्या खबर थी कि एक दिन
मायूसी मेरे हिस्से आयेगी।

वो दोस्त,वो रिश्तेदार,वो अपने,वो पराये
सबने मुझे अच्छा कहा,
क्या खबर थीं की
मेरे हिस्से में सिर्फतनहाइयां आएगी।

और बनकर रहनुमा किया
औरें के रास्तों में उजालें
क्या खबर थीं की
यह काली रात मेरे हिस्से आएगी

अकील सैय्यद (सालेकसा)
9881599572

'प्रीति का मधुर रस'

प्रीति का मधुर रस, पिला दीजिए।
जीवन में सदा यश, दिला दीजिए।
अपने-पराये का, भेद छोड़कर।
सहयोग की भावना, जगा दीजिए।
मुस्कुराहटों की, स्नेहिल छाँव में।
मन में शीतलता, बसा दीजिए।
चाहता मन नभ के, सितारे छू ले।
जीवन में सदा, हौसला दीजिए।
जीवन की व्यस्तता में,
उलझा ये मन।
मन को उमंगों से, खिला दीजिए।
पाषाण में भी मिलती, चेतना हमें।
आस्था का दीपक,
प्रज्ज्वलित कीजिए।
मानव-मानव में बढ़ती, जो दूरियाँ
अपनी मधुर-दृष्टि से,
उन्हें मिटा दीजिए।
'यमुनेश्वरी' का, ध्येय है यही।
सर्वत्र प्रीति -संदेश, पहुँचा दीजिए।

रचनाकार

वल्लभ यमुनेश्वरी
नैनपुर

मित्रता..

कितना विचित्र होता है
भूत,वर्तमान
और भविष्य का
अंकित,जिसमें चित्र होता है
मित्र,आखिर मित्र होता है।
मित्र ही जानता है
मित्र की परेशानी
बचपन से बुढ़ापे तक
मित्र के जीवन की कहानी
मित्र से छुपाता नहीं
कोई मित्र अपना राज
क्योंकि मित्र ही सुनता है
मित्र के दिल की आवाज
मित्र,मित्रता का भी
अपना चरित्र होता है।
मित्र,
आखिर मित्र होता है।

कृष्ण सुदामा की
अंधे और लँगड़े की
जिसने भी सुनी,पढ़ी है कहानी
वह अच्छी तरह जानता है
मित्रता किस तरह है निभानी
क्योंकि मित्र
दुख में भी सुख की
सुरभि बिखेर दे
वह ईत्र होता है
मित्र आखिर मित्र होता है।।

रचनाकार

शशि तिवारी,
गोंदिया (महाराष्ट्र)

धरा की साज है हरियाली..

खिली-खिली सी लगती धरा,
हरियाली की ओढ़ी साज है।
मखमल सा शोभता बिस्तर,
भाती नैनों को पहनाती साज।।

घटाओं की छँटा भी मस्तानी,
बिखेरती जल तरंग अनुराग है।
क्रीड़ा करती बहती जलधारा,
गुंजन करती धरा मधुर राग है।।

नहाए धोए से लगते तरु भी,
स्वच्छता का देते हमें संदेश है।
आओ हम सब सीख लेकर,
सर्वदा स्वच्छ रखें परिवेश हैं।।

लेखक

प्रकृति अनुरागी
बीउपवंशी

शब्दवर्गपहेली क्र.- 236

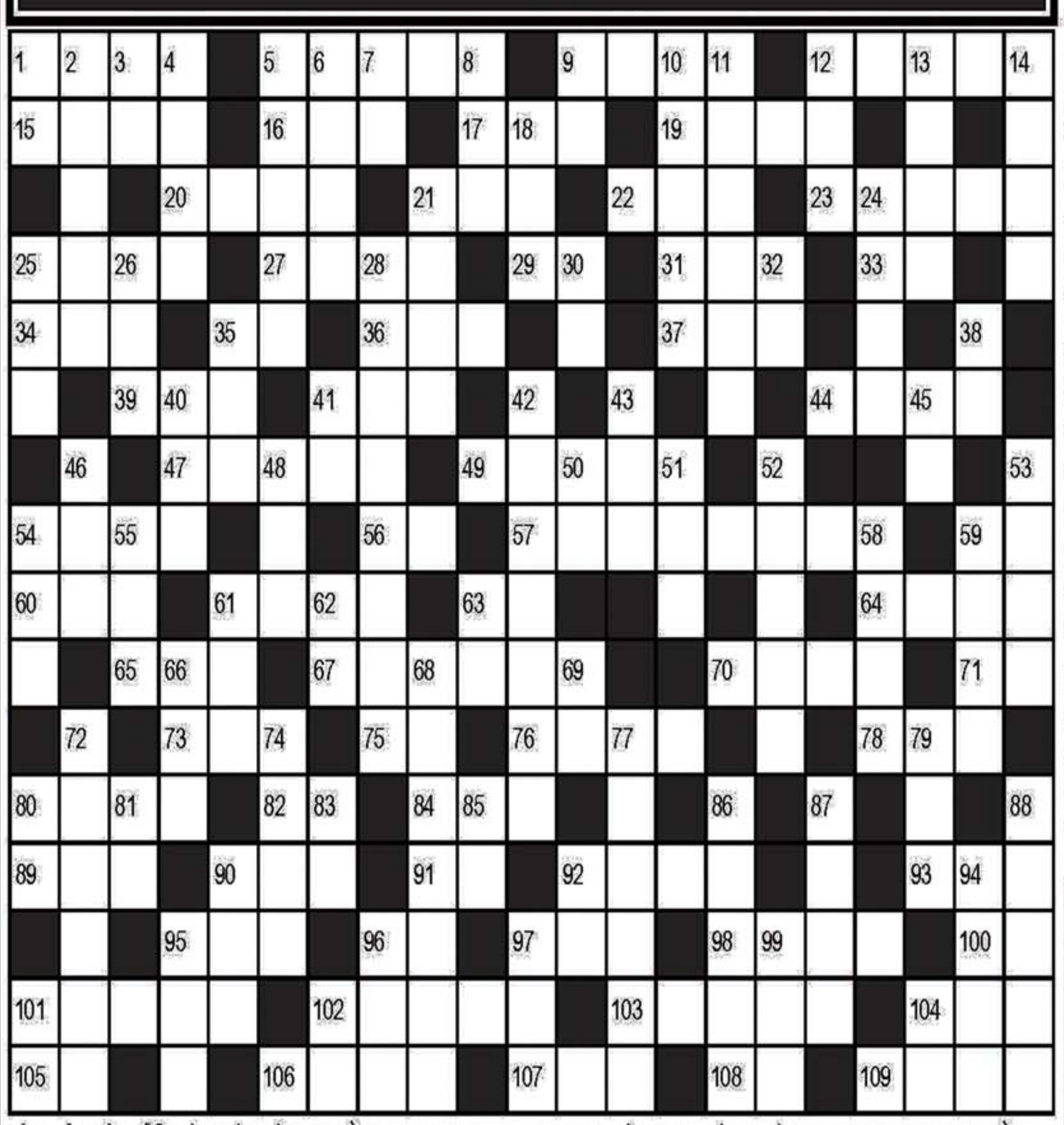

Åij l: ulp: !& 1) बकरी 2) मक्खियों का आवाज करना 3) स्त्री जाति का प्राणी 4) पुराने अभिनेता सुनील दत्त का अभिनेत्री पत्नी का नाम 5) गणेशजी 6) पीछे मुड़ना 7) खोवा 8) नासमझी, मूर्खता 9) जल, नीर 10) बहस, चर्चा 11) कृतज्ञ, स्वामीनिष्ठ 12) परिणाम 13) अंतःपुर 14) रामायण में सीता के ससुर 18) भेट, संयोग, मिलाप 21) अपरिचित 24) दीप दान, आरती 25) अस्थायी, नश्वर 26) यदु के वंशज, यदु–संबंधी 28) मारे मारे फिरना अर्थवाला एक मुहावरा 30) रंक, गरीब 32) घरों में पानी प्राप्त करने का साधन 35) केवल, निरा 38) किस तरह का 40) राजपूतों की एक जाति या कुलनाम 41) हमेशा, सदैव 42) पुरानी फिल्म 'आशिकी' या 'गजब तमासा' की हीरोईन 43) दुर्घटना 45) बायां 46) संधी,, समझौता 48) अस्वीकार, अमान्य 50) भ्रान्ती,, लोभ 51) पति की बहन 52) अनुबंध पत्र 53) बड़ा तकिया 54) माता का अपनी सन्तान पर स्नेह, अपनापन, ममत्व 55) बारह राशियों में एक 58) मुसलमानों का धर्मशास्त्र 59) सुन्दरता, उत्तम रुप 61) सौगंध, शपथ 62) जंगल 63) प्रतिबंध, मनाई 66) ईसा बताये गये धर्म पर चलनेवाला, ईसा का अनुयायी 68) हमारी गानसम्राज्ञी 69) खमीरी रोटी,, चपाती 72) .... 74) सुकुमारी 77) खुश करना 79) तमगा 80) लेकिन 81) चमड़े के ऊपर की झिल्ली का उभड़ आना, फफोला 83) शासन 85) दुःख, शोक 86) जानकारी मालूम करना 87) दानादाना 88) कलम रखने का पात्र 90) धनुष्य 92) प्रारंभ (संस्कृत) , 'इति' का विरुद्धार्थी शब्द 94) मृतक (उर्दू) 95) प्रश्न 96) योग्य 97) आतिशबाजी की एक चीज, एक फल 99) आक्रमण 101) हुर, बालकथाओं में वर्णित पंखवाली सुन्दर स्त्री 102) देह, शरीर 104) छोटी गुठलीवाला एक खट्टा मिठा फल (जवाब अगले अंक में)

ck;l l: nk;l !& 1) घमंड 5) झूठ बोलना या बकवास करना अर्थवाला एक मुहावरा 9) रामविलास.........., हमारे एक भूतपूर्व केन्द्रीय रेलमंत्री का कुलनाम 12) जिसे किसी बंद स्थान में किसी के निगरानी में रखा गया हो 15) सजीव, शक्तिशाली 16) नखरा, सौंदर्य, दर्शन 17) बिजली 19) प्राचीन काल के निषध देश के राजा नल की पत्नी का नाम 20) न्हास, गिरने की प्रक्रिया 21) वायु, हवा 22) नाव चलानेवाला 23) पुराने जमाने की फिल्मों के एक जानेमाने हास्य अभिनेता 25) बिना प्रयास के या बिना श्रम के 27) लगातार (मारना आदि) 29) सरीता 31) सामान या व्यक्तियों को ले जानेवाला यान 33) श्रीकृष्णद्वारा गोपियों के साथ की गयी लीला का नाम 34) आवाज, शब्द 35) अंतःकरण, दिल 36) ठंड़ में ओढ़ी जानेवाली रुई भरी चादर 37) सौदे में बिचौलिया का काम करनेवाला 39) सुअर 41) घर 44) शादी के बारातियों के ठहरने का [illegible] कपड़ा 56) डर, आशंका 57) कृतघ्न, अहसान न माननेवाला (उर्दू) 59) रशिया का संक्षिप्त रुप 60) गंध 61) हाथ के बल लेटने की मुद्रा 63) बीमारी 64) खालीपन, रिक्तता 65) धनवान 67) अनुकरण करना 70) शत्रुघ्न सिन्हा के 'कालीचरण' फिल्म की हीरोईन 71) बहस 73) किसी के सामने या समक्ष होने का भाव, मुकाबला 75) रिश्ता 76) प्राचीन काल के चार आश्रमों से एक 78) गरमी, जलन, ताप 80) छाया, बिंब 82) बुढ़ापा, थोड़ासा 84) कल्याण, शुभ 89) रसदार, रसयुक्त 90) सेविका, दासी 91) खेल (अंग्रेजी) 92) अन्न देनेवाला, प्रतिपालक 93) कीचड़ में खिलनेवाला एक फूल 95) बराबर, तुल्य 96) मृतदेह, शव 97) अनथक, बिना थके हुये 98) अट्टहास, जोर से हंसना 100) एक विदेशी मद्य 101) मल्ल, कुश्ती लड़नेवाला 102) निश्चित करना 103) विष्णु का एक नाम 104) अशिष्टतापूर्ण 105) खाली,, रिक्त 106) सूर्य 107) जीम 108) बड़ी नाली [illegible]

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

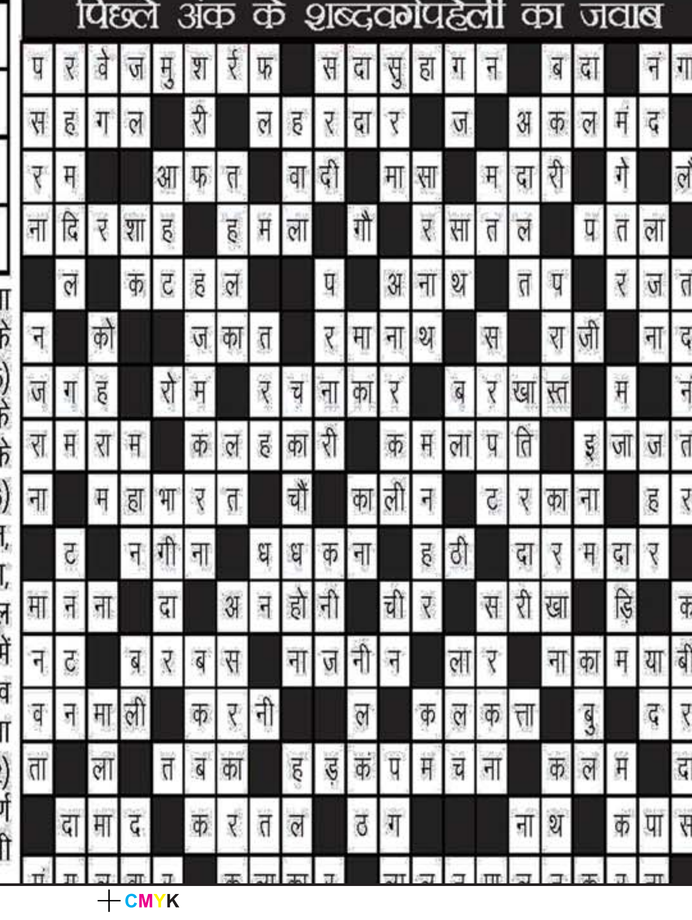

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

लेखपाल महिश्वरे की सेवानिवृत्ति पर स्टाफने दी भावभीनी बिदाई..

जगप्रेरणा लांजी।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पैक्स) पालडोंगरी में शुक्रवार को वरिष्ठ लेखापाल डी. पी. महिश्वरे के 38 वर्षों के सेवाकाल पूर्ण होने पर सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संस्था से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मचारियों,

कृषकों और परिजनों की उपस्थिति में उनके दीर्घ सेवाकाल को याद करते हुए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष प्रदीप उमरे ने की। इस अवसर पर राजेंद्रप्रसाद उमरे, महेन्द्रसिंह उमरे, आर. के. हरिनखेड़े (शाखा प्रबंधक), एस. बी. राहंगडाले (पर्यवेक्षक) तथा एम. एल. नगपुरे (संस्था प्रबंधक) विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में प्रभारी प्रबंधक विजय कावड़े, विलास चौरे, जितेंद्र जाम्भूरकर, डी. सी. धारने (विक्रेता), जितेंद्र धारने (लिपिक), पुनाराम लिल्हारे (डाटा ऑपरेटर) सहित रोशनलाल कछवाहे, नवलबिहारी पालीवाल, बी. आर. आसटकर, भीकमचंद आचरे, प्रीति वानखेड़े, तिलक लिल्हारे, इशनलाल ऐडे, कैलाश चौरे, बुद्धीप्रसाद ऐडे, गिरीश बड़गैया, घनश्याम पंचाले, समिति के कर्मचारी तथा कार्यक्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे। महिश्वरे के परिवार से उनकी पत्नी दमयंती महिश्वरे, भाई जितेंद्र महिश्वरे एवं विष्णुप्रसाद महिश्वरे, पुत्र मनीष महिश्वरे सहित अन्य परिजन भी समारोह में शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि डी. पी. महिश्वरे ने अपने 38 वर्षों के सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ संस्था एवं कृषकों के हित में उल्लेखनीय कार्य किए। सहकारिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और कार्यशैली आने वाले कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगी। समारोह के दौरान डी. पी. महिश्वरे को शॉल, श्रीफ्ल, स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। उपस्थित जनों ने उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

इंडिगो की 20 वीं वर्षगांठ पर 'लंबी उड़ान' की तैयारी, अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर कर रही है काम

नई दिल्ली, (भाषा)।

इंडिगो एयरलाइन अपने परिचालन के 20 वर्ष पूरे होने पर अब एक 'लंबी दूरी की उड़ान' शुरू करने की तैयारी कर रही है और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही है।

इसके तहत एयरलाइन दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जोड़ने, खाड़ी देशों के केंद्र से होकर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को वापस अपनी उड़ानों में लाने और भविष्य में भारत के रास्ते विदेशों के बीच यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य रखेगी। घरेलू बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली देश की यह प्रमुख एयरलाइन कंपनी जल्द ही एयरबस ए321 एक्सएलआर विमान अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है और 2028 से ए350 बड़े आकार के विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि व्यापक घरेलू नेटवर्क के दम पर कंपनी अब 'लंबी दूरी की उड़ानों' की दिशा में बड़ा कदम उठाने को तैयार है और ए321 एक्सएलआर तथा बाद में ए350 विमानों के जरिये अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ा जाएगा।

हालांकि, भाटिया ने कहा कि चार अगस्त को कंपनी की 20वीं वर्षगांठ है, लेकिन अब भी इंडिगो को वैश्विक एयरलाइन कहना जल्दबाजी होगी। प्रबंध निदेशक के साथ ही कंपनी के सह-संस्थापक भाटिया ने कहा, ÷क्या हम वहां पहुंचना चाहते हैं? हां, हमारी आकांक्षा है, लेकिन कंपनी का मूल अब भी घरेलू नेटवर्क ही है। बड़े विमानों के साथ कुछ प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन हमें वैश्विक कहना अभी कल्पना को बढ़ाना होगा।÷

भाटिया ने कहा कि लंबी दूरी की रणनीति का मुख्य केंद्र भारतीय यात्रियों और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय को सेवा देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में खाड़ी देशों की एयरलाइन ने अपने केंद्र के जरिये भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यातायात का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया, जिससे आर्थिक मूल्य विदेश चला गया। भाटिया ने कहा, ÷इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइन कंपनियों की जिम्मेदारी है कि इस आर्थिक मूल्य को वापस लाया जाए और भारतीय यात्रियों को दुनिया तक भारतीय एयरलाइंस के जरिये पहुंचाया जाए।÷ एयरलाइन की वर्षगांठ पर नेतृत्व परिवर्तन भी किया जा रहा है और विमानन क्षेत्र के अनुभवी विली वॉल्श तीन अगस्त को इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। वॉल्श ने 31 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक का पद छोड़ा था।

पीएनबी का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं : प्रबंध निदेशक..

नई दिल्ली, (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने

कहा है कि 18 प्रतिशत के पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ बैंक इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। पीएनबी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 जून, 2026 तक बढ़कर 18.13 प्रतिशत हो गया है, जो नियामकीय जरूरत 11.5 प्रतिशत से काफी अधिक है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 17.5 प्रतिशत था।

चंद्रा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि पूंजी की मजबूत स्थिति को देखते हुए बैंक की बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में बैंक करीब 5,000 करोड़ रुपये के एटी-1 और टियर-2 बॉन्ड का भुगतान करेगा। इससे ब्याज खर्च में लगभग 300 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। अनुषंगी और सहायक कंपनियों को बाजार में चढ़ाने (मौद्रीकरण) के बारे में चंद्रा ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है। बैंक द्वारा प्रायोजित आठ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) भी मजबूत स्थिति में हैं और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है।

पंजाब नेशनल बैंक... असम ग्रामीण बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, पंजाब ग्रामीण बैंक, हरियाणा ग्रामीण बैंक, मणिपुर ग्रामीण बैंक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक और पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक का प्रायोजक बैंक है।

पीएनबी प्रमुख ने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में बैंक का शुद्ध लाभ 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है। पिछले वित्त वर्ष में बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से बैंक लगातार हर तिमाही 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा दर्ज कर रहा है और आगे भी इस गति को बनाए रखने की उम्मीद है। विकास को गति देने के लिए बैंक खुदरा, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और स्वयं सहायता समूहों को ऋण विस्तार के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देख रहा है। चालू वित्त वर्ष में बैंक का लक्ष्य ऋण वृद्धि को 12-13 प्रतिशत और जमा वृद्धि को 9-10 प्रतिशत बनाए रखना है।

मारुति ने जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज किया, 2.48 इकाई के पार पहुंचा आंकड़ा..

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया,

जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था।

मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही। उन्होंने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है।

कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। उत्पादन के मामले में कंपनी ने जुलाई में ऑल्टो और एस-प्रेसो की 13,964 इकाइयों का विनिर्माण किया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 11,484 इकाई था।

वहीं, बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट जैसे कॉम्पैक्ट मॉडल का उत्पादन बढ़कर 1,13,067 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के आंकड़े 87,950 इकाई से 29 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी के लोकप्रिय यूटिलिटी वाहन ब्रेजा, अर्टिगा और फ्रॉन्क्स का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा। जुलाई में इन मॉडल की 1,02,787 इकाइयों का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 70,241 इकाई था। इसमें 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इसके अलावा ईको वैन का उत्पादन 14,627 इकाई रहा, जो पिछले साल के 13,610 इकाई से सात प्रतिशत अधिक है। वहीं, हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन बढ़कर 4,400 इकाई हो गया, जो पिछले साल समान महीने में 3,788 इकाई था। हंसलपुर स्थित चौथे संयंत्र (प्लांट डी) में उत्पादन शुरू होने के बाद मारुति सुजुकी की हरियाणा और गुजरात स्थित कारखानों की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 29 लाख इकाई सालाना की हो गई है।

एनसीएलएटी ने रोल्टा इंडिया की समाधान योजना पर दूरसंचार विभाग की याचिका खारिज की..

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज के बोझ से दबी रोल्टा इंडिया लिमिटेड की समाधान योजना को चुनौती देने वाली दूरसंचार विभाग की याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधिकरण ने कहा कि समाधान योजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और उसका क्रियान्वयन भी पूरा हो चुका है, ऐसे में इस स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा मंजूर समाधान योजना को चुनौती देते हुए दावा किया था कि रोल्टा इंडिया पर 469.09 करोड़ रुपये के बकाया लाइसेंस शुल्क की वैधानिक देनदारी है। यह दावा समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से जुड़े वित्त वर्ष 2005-06 और 2006-07 के बकाये से संबंधित था। डीओटी ने रोल्टा को इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) का लाइसेंस दिया था।

एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने एनसीएलटी की मुंबई पीठ के 15 दिसंबर, 2025 के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एशडन प्रॉपर्टीज द्वारा रोल्टा इंडिया के लिए पेश 900 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी गई थी। पीठ में कार्यवाहक चेयरमैन न्यायमूर्ति योगेश खन्ना के साथ सदस्य बरुण मित्रा और अजय दास मेहरोत्रा शामिल थे।

एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि रोल्टा इंडिया की समाधान प्रक्रिया अंतिम चरण तक पहुंच चुकी है और योजना को लागू किया जा चुका है। एनसीएलटी ने दो फरवरी, 2026 को कंपनी से संबंधित याचिका भी बंद कर दी थी।

न्यायाधिकरण ने कहा कि डीओटी ने समाधान पेशेवर द्वारा उसके दावे को स्वीकार नहीं किए जाने के फैसले को समय पर चुनौती नहीं दी थी। डीओटी ने एनसीएलटी के समक्ष इस वर्गीकरण का विरोध करने के बजाय दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) में राहत की अपील की थी, जहां मई, 2024 में उसकी याचिका का निपटारा कर दिया गया था।

एनसीएलएटी ने कहा कि कि डीओटी एक परिचालन ऋणदाता था और उसने 31 अगस्त, 2023 को 469.09 करोड़ रुपये का दावा दाखिल किया था। हालांकि, समाधान पेशेवर ने इस दावे को ÷स्वीकार्य नहीं, लेकिन आकस्मिक÷ श्रेणी में रखा था। डीओटी ने दलील दी थी कि समाधान योजना में सरकारी और वैधानिक संस्थाओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। विभाग का कहना था कि जहां सुरक्षित वित्तीय ऋणदाताओं को करीब 808.55 करोड़ रुपये और असुरक्षित वित्तीय ऋणदाताओं को लगभग 64.2 करोड़ रुपये मिलने थे, वहीं सरकारी विभागों के लिए बहुत सीमित राशि का प्रावधान किया गया था। डीओटी ने यह भी तर्क दिया था कि यह व्यवस्था दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 30(2)(बी) और धारा 53 के तहत निर्धारित भुगतान व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। हालांकि, एनसीएलएटी ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। पीठ ने कहा कि डीओटी ने समाधान पेशेवर के फैसले के खिलाफएनसीएलटी में अपील नहीं की और अब योजना के अनुमोदन और सफल क्रियान्वयन के बाद पुराने मुद्दों को उठाया नहीं जा सकता।

पीठ ने उच्चतम न्यायालय के उन फैसलों का भी हवाला दिया, जिनमें कहा गया है कि समाधान योजना को मंजूरी मिलने के बाद नए दावे पेश नहीं किए जा सकते और सफल समाधान आवेदक को ऐसी अघोषित देनदारियों का बोझ नहीं दिया जा सकता, जिनकी जानकारी समाधान प्रक्रिया के दौरान नहीं थी।

टाटा स्टील यूके को ईएएफपरियोजना के लिए 2029 तक बिजली मिलने की उम्मीद : सीईओ नरेंद्रन..

नई दिल्ली, (भाषा)।

टाटा स्टील यूके की 32 लाख टन क्षमता वाली इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) परियोजना निर्धारित समय के अनुरूप आगे बढ़ रही है। हालांकि, संयंत्र के लिए आवश्यक बिजली आपूर्ति 2029 तक मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी. वी. नरेंद्रन ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पोर्ट टैलबोट में 1.25 अरब पाउंड के निवेश से स्थापित की जा रही यह परियोजना पटरी पर है और 2028 तक तैयार हो जाएगी। हालांकि, बिजली आपूर्ति 2029 तक शुरू होने की उम्मीद है।

नरेंद्रन ने ऑनलाइन बातचीत में ने कहा कि कंपनी बिजली आपूर्तिकर्ता नेशनल ग्रिड के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि परियोजना को कुछ बिजली आपूर्ति पहले मिल सके। इससे संयंत्र के परीक्षण और अन्य प्रारंभिक प्रक्रियाएं समय पर पूरी की जा सकेंगी और बिजली ढांचे में होने वाली देरी का असर कम किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि परियोजना स्थल पर अधिकांश ध्वस्तीकरण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि उपकरणों की आपूर्ति भी बेहतर तरीके से चल रही है। इस परियोजना के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली उपलब्ध होना बेहद महत्वपूर्ण है।

ब्रिटेन सरकार से 50 करोड़ पाउंड के सहयोग से विकसित की जा रही इस परियोजना का उद्देश्य पोर्ट टैलबोट संयंत्र से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में लगभग 90 प्रतिशत की कमी लाना है, जिससे हर वर्ष करीब 50 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटेगा।

उल्लेखनीय है कि टाटा स्टील ने मई, 2024 में बिजली प्रणाली संचालक (ईएसओ) के साथ ग्रिड कनेक्शन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेशनल ग्रिड द्वारा बिजली पारेषण संयंत्र के लिए आवश्यक बिजली ढांचा बनाया जा रहा है।

टाटा स्टील समूह देश के प्रमुख इस्पात उत्पादकों में से है। इसकी सालाना कच्चे इस्पात के उत्पादन की क्षमता 3.5 करोड़ टन है।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● थानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

पवित्र सावन मास: चाहेली से कांवड़ यात्रा आज पहुंचेगी कोटेश्वर धाम, उमड़ेगा आस्था और श्रद्धा का सैलाब..

जगप्रेरणा लांजी।

श्रावण मास का प्रथम सोमवार.. वह पावन बेला, जब स्वयं देवों के देव महादेव अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। इसी दिव्य अवसर पर धर्मनगरी लांजी एक बार फिर शिवमय होने जा रही है।

ऐसा प्रतीत होगा मानो धरती पर स्वयं कैलाश उतर आया हो। नगर की हर गली, हर चौक, हर मंदिर और हर हृदय से केवल एक ही स्वर गूंजेगा- 'ऊं नमः शिवाय'..'हर-हर महादेव''बोल बम'..देवों के देव महादेव भगवान शिव के दादा कोटेश्वरनाथ धाम में सावन के प्रथम सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और आस्था का ऐसा महासंगम उमड़ेगा, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु और शिवभक्त लांजी पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से दादा कोटेश्वरनाथ के दर्शन करने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। बाबा अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण कर उनके जीवन को सुख, शांति और समृद्धि से भर देते हैं। यही कारण है कि बालाघाट ही नहीं, बल्कि आसपास के अनेक जिलों और राज्यों से हजारों श्रद्धालु सावन मास में यहां पहुंचकर जलाभिषेक एवं दर्शन का पुण्य लाभ अर्जित करते हैं।

चहेली की पवित्र धरा से जल लेकर निकलेगी आस्था की कांवड़ यात्रा..

बोल बम सेवा समिति लांजी के तत्वावधान में इस वर्ष भी 42 किलोमीटर की ऐतिहासिक पैदल कांवड़ यात्रा चार चरणों में आयोजित की जा रही है। प्रथम सोमवार को शिवभक्त छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल चहेली-सीतापाला से पवित्र जल लेकर नंगे पांव, 'बोल बम' के जयघोष के साथ दादा कोटेश्वरनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। कंधों पर सजी कांवड़, हाथों में भगवा ध्वज, मुख पर शिवनाम और हृदय में अटूट श्रद्धा.....यह अदभुत दृश्य हर किसी को भावविभोर कर देगा। जब हजारों कांवड़िए चहेली से लाए गए पावन जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे, तब पूरा कोटेश्वर धाम शिवमय वातावरण से गुंजायमान हो उठेगा। ऐसा आध्यात्मिक दृश्य हर वर्ष श्रद्धालुओं के मन में अविस्मरणीय स्मृतियां छोड़ जाता है।

धुनी दरबार बना साधना, सेवा और श्रद्धा का दिव्य केंद्र..

कोटेश्वर मंदिर के ठीक सामने स्थित धुनी दरबार इस वर्ष विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सेवकों ने पूरे परिसर को भव्य एवं मनमोहक स्वरूप प्रदान किया है। यहां प्रवेश करते ही भक्तों को आध्यात्मिक शांति का अनुभव होता है। ध्यान और साधना के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जहां शिवभक्त एकाग्रचित्त होकर भगवान महादेव का स्मरण कर सकेंगे। वहीं आकर्षक रंग.रोगन से सुसज्जित नंदी महाराज का अलौकिक स्वरूप श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं नंदी महाराज अपने आराध्य महादेव के भक्तों का स्वागत कर रहे हों। दूर-दराज से आने वाले कांवडियों की सुविधा के लिए धुनी दरबार के समीप विशेष कांवड़ स्टैंड की व्यवस्था भी की गई है, जिससे श्रद्धालु निश्चिंत होकर दर्शन एवं पूजन कर सकें। सेवा, समर्पण और श्रद्धा का यह अद्भुत संगम धुनी दरबार की पहचान बन चुका है।

सावन में स्वर्ग से कम नहीं दिखती धर्मनगरी लांजी..

श्रावण मास प्रारंभ होते ही धर्मनगरी लांजी का स्वरूप पूरी तरह बदल जाता है। नगर की सड़कें भगवा वस्त्रधारी शिवभक्तों से पट जाती हैं। दूर-दूर तक वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह विशाल भंडारे, शिवभक्ति से ओतप्रोत भजन-कीर्तन, डमरू और घंटियों की गूंज, मंदिरों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और आरतीण्ण् हर ओर केवल आस्था का ही संसार दिखाई देता है। नगर में भ्रमण कर रहा भक्तिमय प्रचार वाहन ऊं नमः शिवाय और शिव मंत्रों की गूंज से वातावरण को और अधिक पावन बना रहा है। पूरा नगर मानो शिवलोक का स्वरूप धारण कर लेता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन में धर्मनगरी लांजी का दिव्य वातावरण किसी स्वर्ग से कम नहीं होता।

केवल कोटेश्वर धाम ही नहीं, पूरा नगर बन जाता है तीर्थ..

श्रावण मास में दादा कोटेश्वरनाथ धाम के साथ-साथ बालाजी मंदिर, लंजकाई माता मंदिर, काली माता मंदिर, वारी मंदिर सहित नगर के सभी प्रमुख देवालयों में विशेष पूजन, धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, सुंदरकांड, महारुद्राभिषेक, अखंड रामचरितमानस पाठ एवं विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कारण सावन के पूरे महीने धर्मनगरी लांजी श्रद्धालुओं का प्रमुख आस्था केंद्र बनी रहती है। जिलेभर सहित दूरस्थ क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर विभिन्न मंदिरों में दर्शन कर अपने जीवन को धन्य मानते हैं।

आस्था का महासागर उमड़ेगा प्रथम सोमवार को..

सावन के प्रथम सोमवार को दादा कोटेश्वरनाथ धाम में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ उमडने् की संभावना है। प्रशासन, मंदिर समिति, बोल बम सेवा समिति एवं धुनी दरबार के सेवकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। जब हजारों कांवड़िए चहेली के पावन जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे, जब 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से पूरा आकाश गुंजायमान होगा, जब भक्ति की गंगा में डूबी धर्मनगरी लांजी शिवमय हो उठेगीकृतब यह दृश्य केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन आस्था, संस्कृति और शिवभक्ति का जीवंत महाकुंभ प्रतीत होगा।

पुराने यादगार नगमों को संगीतमय श्रद्धांजलि, किरनापुर के गुजरी चौक में हुआ भव्य कार्यक्रम..

जगप्रेरणा किरनापुर।

किरनापुर स्थित गुजरी चौक पर आज एक भावपूर्ण एवं संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन सुर संगम सांस्कृतिक समिति किरनापुर द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के

संगीत प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर भारतीय संगीत जगत के महान फनकारों और उनके द्वारा गाए अमर/यादगार नगमों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें:

संगीतमय प्रस्तुतियाँ: स्थानीय कलाकारों एवं गायकों ने पुराने दौर के एक से बढ़कर एक सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियाँ, एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है ये जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है, ए दिल उनकी निगाहों के साये जैसी शानदार पुराने गीत की प्रस्तुति देकर जनसमूह को भावविभोर कर दिया। **महान संगीतकारों को नमन:** मोहम्मद रफ़ी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर और मुकेश जैसे महान पार्श्व गायकों के कालजयी गीतों को गाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। **श्रोताओं का उत्साह:** गुजरी चौक पर देर शाम तक लोगों का हुजूम जुटा रहा। पुराने नगमों की सुरीली धुनों ने पूरे माहौल को संगीतमय और यादों से सराबोर कर दिया।

बोली आयोजन समिति..

''संगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को जोड़ने का कार्य करता है। आज के इस आयोजन ने उन अमर सुरीली यादों को पुनः जीवंत कर दिया।'

स्थानीय लोगों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ,नागरिकों, महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थित रही लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल पुरानी सांस्कृतिक धरोहर और सुरीले संगीत को बढ़ावा मिलता है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव भी सुदृढ़ होता है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा सभी कलाकारों एवं पधारे हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया गया।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे. मो. 9329033433..

निमटोला-थानेगांव मार्ग के गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल, मानको की उड़ाई धज्जियां..

जगप्रेरणा लांजी।

मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग, संभाग बालाघाट द्वारा लांजी तहसील अंतर्गत नीमटोला नहर से थानेगांव तक 1.80 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण हाल ही में कराया गया है।

निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ ही समय बाद सड़क की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और किसानों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नई बनी सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने लगी है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संदेह उत्पन्न हो रहा है।

यह वारी डेम से होकर निकलने वाली नहर पर यह मार्ग निर्मित है जो क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन हजारों ग्रामीण, किसान एवं वाहन चालक इसी सड़क से आवागमन करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में बरती गई कथित लापरवाही अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

साइड शोल्डर नहीं बनने से किसानों की बढ़ी मुश्किलें

सड़क के दोनों ओर हजारों किसानों की कृषि भूमि स्थित है। किसान प्रतिदिन ट्रैक्टर, बैलगाड़ी, कृषि उपकरण और मवेशियों के साथ खेतों तक पहुंचते हैं, लेकिन सड़क के दोनों किनारों पर साइड शोल्डर (कंधे) नहीं बनाए जाने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क अपेक्षाकृत ऊंची होने के कारण कृषि वाहन खेतों में उतरते और वापस चढ़ते समय असंतुलित हो जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

पुलिया पर सुरक्षा इंतजामों का अभाव..

ग्रामीणों के अनुसार सड़क के बीच स्थित नहर की पुलिया पर न तो सुरक्षा रेलिंग लगाई गई है और न ही डिवाइडर बनाया गया है। मार्ग के कई हिस्सों में भी सुरक्षा रेलिंग का अभाव है ऐसे में विशेषकर रात और बारिश के मौसम में दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।

समतलीकरण पर भी उठे सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क का समतलीकरण भी तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। कई स्थानों पर सड़क ऊंची-नीची होने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन हिचकोले खाते हुए गुजरते हैं।

वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर सफर करते समय वाहन असंतुलित महसूस होता है, जिससे सुरक्षित आवागमन प्रभावित हो रहा है।

उच्च स्तरीय जांच और सुधार कार्य की मांग..

ग्रामीणों, किसानों और राहगीरों ने लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि नीमटोला नहर से थानेगांव तक बनी इस 1.80 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

साथ ही सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत, समुचित समतलीकरण, दोनों ओर साइड शोल्डर निर्माण, पुलिया पर सुरक्षा रेलिंग एवं डिवाइडर सहित आवश्यक सुरक्षा उपाय शीघ्र सुनिश्चित किए जाने की मांग भी ग्रामीणों ने की है, ताकि इस मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सावन का पहला सोमवार, कोटेश्वर धाम में होगी पूजा अर्चना, कांवड़िए चढ़ाएंगे श्रद्धा का जल..

जगप्रेरणा लांजी।

भगवान शिव की आराधना के पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर आज कोटेश्वर धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगेगा दूर-दराज के गांवों सहित नगर क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे।

श्रद्धालु बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, दूध एवं पवित्र जल अर्पित कर भगवान शिव का अभिषेक करेंगे तथा परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करेंगे। श्रावण सोमवार का विशेष धार्मिक महत्व होने के कारण मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत वातावरण देखने को मिलेगा। स्थानीय प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, पार्किंग तथा यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे अनुशासन बनाए रखते हुए दर्शन करें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम तक निकलेगी 42 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा..

श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर आज चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम, लांजी तक 42 किलोमीटर की भव्य कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ में पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए पैदल यात्रा करेंगे।

यात्रा के दौरान पूरा मार्ग 'बोल बम', 'हर-हर महादेव' और 'जय भोलेनाथ' के जयघोष से गुंजायमान रहेगा। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए अनुशासन एवं श्रद्धा के साथ कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा के आयोजक बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति के कार्यालय से सुबह 7 बजे कांवड़ यात्रीयो का पहला जत्था रवाना होगा जंहा सभी कांवड़ यात्री छोटी बाघ नदी के उद्धम स्थल चहेली सीतापाला पंहुच कर. उदगम के पवित्र जल से स्नान कर. महादेव की पूजा अर्चना कर कांवड़ मे बोल बम के जयकारे और ओऽम नमः शिवाय के जय घोष के साथ पैदल यात्रा का संकल्प कर जल पात्रों मे भरकर अपनी यात्रा प्रारंभ करेंगे. बता दे कि कांवड़ यात्रियों के लिए समिति के द्वारा कांद्री घाट मे जल पान स्वल्पाहार की वयवस्था की जाती है जंहा प्रसाद ग्रहण कर यात्रा अग्रिम पडाव के लिए प्रस्थान करती है यात्रा के मार्ग मे अनेकों सेवा भावी लोग मे सामाजिक धार्मिक संगठन के सद्स्य कांवड़ यात्रियों की सेवा ओ मे नज़र आते है जोकि यात्रा के मार्ग मे फल सहित अनेकों खान पान की वस्तुए कांवड़ यात्री के सेवा के लिए लाते है। करीब शाम 6 बजे कांवड़ यात्री धर्म नगरी लांजी स्थित कोटेश्वर धाम पहुचते है. जंहा मंदिर के पुजारी के द्वारा मंत्रों उच्चारण के साथ कांवड़ यात्रीयो के द्वारा लाया गया पवित्र जल महादेव को अर्पित कर मनवांछित फल हेतु प्राथना की जाकर भगवान कोटेश्वर नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। कांवड़ यात्रा की अधिक जानकारी और अगले चरणों की यात्रा के लिए बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है।

कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व..

कांवड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति श्रद्धा, आस्था, तप और समर्पण का पावन प्रतीक है। श्रावण मास में श्रद्धालु पवित्र नदियों, सरोवरों या जलस्त्रोतों से जल भरकर कांवड़ के माध्यम से शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव को जलाभिषेक करने से वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष का पान भगवान शिव ने समस्त सृष्टि की रक्षा के लिए किया था। विष की ज्वाला को शांत करने हेतु देवताओं ने उन पर पवित्र जल अर्पित किया। तभी से भगवान शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है, जो आगे चलकर कांवड़ यात्रा के रूप में व्यापक रूप से प्रचलित हुई। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनुशासन, संयम, सेवा, भाईचारे और सामाजिक एकता का भी संदेश देती है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सात्विक जीवन, भजन-कीर्तन, सेवा और नियमों का पालन करते हुए भगवान शिव की आराधना करते हैं।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

जग प्रेरणा
live मंडला नैनपुर
● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

म.प्र. पटवारी संघ के आहवान पर मंडला जिले में पटवारियों की आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल

पदोन्नति, कैडर रिव्यू सहित विभिन्न मांगों को लेकर कलमबंद आंदोलन, शासकीय कार्य होंगे प्रभावित..

जगप्रेरणा मंडला।

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिले सहित प्रदेशभर के पटवारी रविवार 3 अगस्त से अपनी लंबित मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पर चले गए हैं। आंदोलन के चलते राजस्व विभाग से जुड़े ऑनलाइन और ऑफलाइन शासकीय कार्य प्रभावित होने की संभावना है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष

गीतेन्द्र ÷गीतू÷ बैरागी ने बताया कि प्रदेश के अन्य विभागों के कर्मचारियों को वर्षों बाद पदोन्नति का लाभ दिया गया, जबकि पटवारी वर्ग को इससे वंचित रखा गया है। इससे कर्मचारियों में व्यापक नाराजगी है। उन्होंने कहा कि संघ लंबे समय से अपनी मांगों के निराकरण की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक शासन स्तर पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। संघ की प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू लागू करना, पदोन्नति, समयमान वेतनमान, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा का आयोजन, जॉब प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारी वर्ग को शामिल करना, लंबित वित्तीय भुगतान तथा अन्य सेवा संबंधी समस्याओं का निराकरण शामिल है। संघ के अनुसार 8 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया था। मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने के कारण 15 से 19 जुलाई तक प्रदेशभर के पटवारियों ने सामूहिक अवकाश लेकर विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद 20 जुलाई को कार्य पर लौटने के साथ ही सभी तहसीलों में तहसीलदारों को 3 अगस्त से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल की सूचना देते हुए ज्ञापन सौंपा गया।

पटवारी संघ ने बताया कि 3 अगस्त को सभी पटवारी अपनी-अपनी तहसीलों में एकत्र होकर तहसील अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के नेतृत्व में अपने कार्यों का प्रभार संबंधित तहसीलदार अथवा केजीओ कार्यालय को सौंपेंगे। इसके बाद 4 अगस्त से जिला मुख्यालय स्थित धरना स्थल पर मांगें पूरी होने तक क्रमिक आंदोलन जारी रहेगा।

संघ ने यह भी घोषणा की है कि आंदोलन के दौरान सभी पटवारी शासकीय व्हाट्सएप समूहों से अलग हो जाएंगे तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन सभी प्रकार के शासकीय कार्यों का बहिष्कार करेंगे। संघ का कहना है कि हड़ताल के दौरान राजस्व संबंधी कार्यों के प्रभावित होने की जिम्मेदारी शासन की होगी।

जादू-टोना के शक में चाचा की हत्या, भतीजे ने धारदार हथियार से उतारा मौत के घाट..

खेत में मिला खून से लथपथ शव, पुलिस ने आरोपी भतीजे को किया गिरफ्तार

जगप्रेरणा मंडला।

जिले के मोहगांव थाना क्षेत्र के ग्राम खर्राछापर में अंधविश्वास ने एक और रिश्ते का खून कर दिया। जादू-टोना के संदेह में एक भतीजे ने अपने दूर के रिश्ते के चाचा की धारदार हथियार से हत्या कर दी। रविवार को खेत में खून से लथपथ शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को

कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान इंद्रलाल पिता मनीराम (40 वर्ष) निवासी खर्राछापर के रूप में हुई है। उनका शव गांव के पास जानीलाल चिचाम के खेत में पड़ा मिला। शव के कान के पीछे धारदार हथियार से किए गए गहरे वार के निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका स्पष्ट हुई।

गुटखा लेने निकले थे, वापस नहीं लौटे इंद्रलाल..

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इंद्रलाल घर से पत्नी से रुपये लेकर गुटखा खरीदने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों की तलाश के दौरान उनका शव खेत में पड़ा मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने बताया कि जांच के दौरान मृतक के भतीजे प्रमोद पर संदेह हुआ। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसे विश्वास था कि उसका चाचा उसके परिवार पर जादू-टोना करवाता था। आरोपी के अनुसार पहले उसके बड़े पिता, फिर उसकी पत्नी और बाद में वह स्वयं बीमार रहने लगा, जिसके लिए वह अपने चाचा को जिम्मेदार मानता था। इसी अंधविश्वास के चलते उसने मौका पाकर धारदार हथियार से इंद्रलाल की हत्या कर दी।

पूछताछ में कबूला जुर्म

पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी प्रमोद ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसका चाचा कथित रूप से झाड़-फूंक करने वालों के संपर्क में रहता था और उसी के कारण उसने हत्या जैसी वारदात को अंजाम दिया।

जांच जारी

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

अंधविश्वास बना हत्या की वजह

यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि अंधविश्वास और जादू-टोने जैसी धारणाएं आज भी समाज में गंभीर अपराधों का कारण बन रही हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के अंधविश्वास में पड़ने के बजाय कानून और वैज्ञानिक सोच पर विश्वास रखें।

एक शिक्षक के भरोसे चल रही 05 कक्षाएं, प्राथमिक शाला घुघरी माल की बदहाल व्यवस्था..

शिक्षक की अनियमितता से प्रभावित हो रही पढ़ाई, अभिभावकों ने कार्रवाई की उठाई मांग

जगप्रेरणा मंडला।

शासन द्वारा सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों का भविष्य संवारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कई विद्यालयों की स्थिति अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसा ही मामला संकुल केंद्र बबलिया के अंतर्गत आने

वाली प्राथमिक शाला घुघरी माल का सामने आया है, जहां शिक्षकों की कथित लापरवाही और अनियमित उपस्थिति के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार विद्यालय में कक्षा पहली से पांचवीं तक का संचालन होता है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए यहां दो शिक्षकों की पदस्थापना की गई है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि इनमें से एक शिक्षक अक्सर विद्यालय से अनुपस्थित रहते हैं। ऐसे में पूरे स्कूल का संचालन और सभी कक्षाओं की जिम्मेदारी एक ही शिक्षक पर आ जाती है, जिससे नियमित रूप से सभी बच्चों को पढ़ाना संभव नहीं हो पाता।

07 बच्चे ही मिले उपस्थित

विद्यालय में पढ़ाई की स्थिति का असर बच्चों की उपस्थिति पर भी दिखाई दे रहा है। शनिवार को मीडिया टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान पूरे विद्यालय में केवल सात छात्र ही उपस्थित मिले।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित पढ़ाई नहीं होने के कारण बच्चों का स्कूल के प्रति रुचि कम होती जा रही है, जिससे उनकी शैक्षणिक प्रगति प्रभावित हो रही है।

अभिभावकों में नाराजगी

विद्यालय की व्यवस्था को लेकर अभिभावकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहें और समय पर कक्षाएं संचालित हों तो बच्चों की पढ़ाई बेहतर हो सकती है। अभिभावकों ने शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की जांच कर विद्यालय की व्यवस्था सुधारने तथा अनियमित शिक्षक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

जिम्मेदारों से कार्रवाई की अपेक्षा..

ग्रामीणों का कहना है कि शासन शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार संसाधन उपलब्ध करा रहा है, लेकिन यदि विद्यालय स्तर पर शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करेंगे तो इन प्रयासों का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकेगा। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाता है।

पूर्व छात्र ने माता-पिता की स्मृति में विद्यालय को दिए 15 हजार, हर एक वर्ष मेधावी छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान..

जगप्रेरणा मंडला।

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंडला के पूर्व छात्र एवं वन विकास निगम से सेवानिवृत्त डिविजनल मैनेजर नंदकुमार मरावी ने अपने माता-पिता स्व. जतन लाल मरावी एवं स्व. श्यामाबाई मरावी की स्मृति में विद्यालय को रुपये 15 हजार की दान राशि

पूर्व छात्र ने माता-पिता की स्मृति में विद्यालय को दिए 15 हजार, हर वर्ष मेधावी छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान..

प्रदान कर शिक्षा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। नंदकुमार मरावी वर्ष 1973 से 1975 के बीच इसी विद्यालय में कक्षा 9 वीं से 11वीं तक विज्ञान संकाय के छात्र रहे।

उन्होंने बताया कि विद्यालय से मिली शिक्षा ने उनके जीवन और करियर की मजबूत नींव रखी, जिसके बल पर उन्हें सम्मानजनक पद पर कार्य करने का अवसर मिला। इसी भावना से प्रेरित होकर उन्होंने यह सहयोग राशि विद्यालय को समर्पित की। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस राशि के ब्याज से प्रत्येक वर्ष विज्ञान विषय तथा एनसीसी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एक छात्र और एक छात्रा को सम्मानित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। विद्यालय परिवार ने नंदकुमार मरावी के इस प्रेरणादायी योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल पूर्व छात्रों और समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

विद्यालय ने विश्वास जताया कि ऐसे प्रयास भविष्य में अन्य पूर्व छात्रों को भी अपनी मातृसंस्था के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे।

हीरापुर में नियमित संचालित हो रहा बाल संस्कार केंद्र

बच्चों को मिल रही नि:शुल्क संस्कारपरक शिक्षा

जगप्रेरणा मंडला।

ग्रामीण अंचल के बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार और व्यक्तित्व विकास से जोड़ने की दिशा में ग्राम हीरापुर में संचालित बाल संस्कार केंद्र सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में

नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान द्वारा सेक्टर-03 मोहगांव अंतर्गत ग्राम हीरापुर में बाल संस्कार केंद्र का नियमित संचालन किया जा रहा है, जहां नर्सरी से कक्षा 5वीं तक के बच्चों को प्रतिदिन शाम 5 से 7 बजे तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। जिला समन्वयक सुशील बर्मन के निर्देश तथा विकासखंड समन्वयक सूरज बर्मन के मार्गदर्शन में संचालित इस केंद्र का उद्देश्य बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति, अनुशासन, सामाजिक समरसता एवं व्यक्तित्व विकास से जोड़ना है। यहां बच्चों को पढ़ाई के साथ योग, संस्कार, स्वच्छता, सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर भी नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। केंद्र में बच्चों को सरल एवं रुचिकर तरीके से शिक्षण कार्य कराया जा रहा है। साथ ही संवाद कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने वाली विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है। केंद्र का संचालन सुश्री आराधना धारवे द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। इस पहल का सकारात्मक प्रभाव अब गांव में देखने को मिल रहा है। बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि और अनुशासन बढ़ा है, वहीं अभिभावकों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता आई है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित यह बाल संस्कार केंद्र शिक्षा और संस्कार का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है।

आबकारी विभाग ने जब्त की 13,700 रुपये की अवैध शराब, ढाबे पर भी दी दबिश..

जगप्रेरणा मंडला।

जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देश तथा प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली शैयाम के मार्गदर्शन में रविवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई करते हुए करीब 13 हजार 700 रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त की गई। आबकारी विभाग की टीम ने मंडला वृत्त के ग्राम बड़ी खैरी में कार्रवाई करते हुए रानू गोटिया के कब्जे से 6 लीटर हाथभट्टी कच्ची शराब बरामद कर जब्त की। इसके बाद ग्राम घटिया में मोहन कार्तिकेय के पास से 15 पाव देशी प्लेन मदिरा एवं 4 नग विदेशी मदिरा जब्त की गई। वहीं इसी गांव में रामलाल मरकाम के कब्जे से 12 लीटर हाथभट्टी कच्ची शराब तथा 5 डिब्बे महुआ लाहन बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसी अभियान के तहत रात्रि में राजस्व एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मंडला शहर के मोहन टोला क्षेत्र स्थित एनआर ढाबा पर दबिश देकर 8 नग विदेशी मदिरा बरामद कर जब्त की। संयुक्त कार्रवाई में नायब तहसीलदार श्री राकेश कटारया, राजस्व विभाग का अमला तथा आबकारी विभाग की टीम मौजूद रही। आबकारी विभाग ने बताया कि जब्त की गई शराब की कुल अनुमानित कीमत 13 हजार 700 रुपये है। विभाग ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

माय भारत के नेतृत्व में मंडला में युवाओं ने लिया नशामुक्त भारत का संकल्प..

प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन सुना..

जगप्रेरणा मंडला।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) द्वारा रविवार को शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय, मंडला में ÷नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान÷ का आयोजन किया गया। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू किए गए 100 सप्ताह के राष्ट्रव्यापी नशामुक्ति अभियान की पहली कड़ी के रूप में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, युवा अध्यक्ष विकास सहित गायत्री परिवार एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों और माय भारत के वालंटियर्स ने नशामुक्त भारत का संकल्प लिया। उन्होंने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ समाज में जागरूकता फैलाने और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सामूहिक श्रवण किया। अतिथियों और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं का स्वस्थ और नशामुक्त होना आवश्यक है। उन्होंने सभी से नशामुक्ति अभियान के सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया। जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन माय भारत के स्वयंसेवकों के सहयोग से किया गया। अंत में सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों, एनएसएस सदस्यों, धार्मिक संगठनों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए नशामुक्त, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया गया।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

11 सोमवार 03 अगस्त 2026
जग प्रेरणा
ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

गोंदिया में महाराजस्व अभियान और 'कर्तव्य साधना सप्ताह' का हुआ सफल आयोजन..

विधायक विनोद अग्रवाल के सतत मार्गदर्शन में 17,153 लाभार्थियों को मिला शासन योजनाओं का लाभ..

जगप्रेरणा गोंदिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व अभियान के अंतर्गत दिनांक 22 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक 'कर्तव्य साधना सप्ताह' तथा दिनांक 1 अगस्त 2026 को महाराजस्व शिविर

का आयोजन गोंदिया शहर स्थित जलाराम लॉन में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस समूचे अभियान की सफलता में गोंदिया विधायक श्री विनोद अग्रवाल की सक्रिय भूमिका, सतत निगरानी और दैनिक फॉलो-अप बैठकें निर्णायक रहीं।

प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय करते हुए उन्होंने स्वयं इस पूरे अभियान की प्रगति पर व्यक्तिगत ध्यान दिया, जिसके परिणामस्वरूप शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में नागरिकों, किसानों, महिलाओं और पात्र लाभार्थियों तक शासन की योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ पहुँचा। कार्यक्रम में मंच संचालन एवं समन्वय प्रशासनिक स्तर पर किया गया, जबकि जनहित के इस महत्वपूर्ण अभियान को प्रभावी, अनुशासित और परिणामकारक बनाने में विधायक श्री अग्रवाल ने निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। अभियान के दौरान जिले और तालुका स्तर के सभी संबंधित विभागों को एकजुट कर पात्र लाभार्थियों तक सेवाएँ पहुँचाने की दिशा में त्वरित निर्णय लिए गए। कर्तव्य साधना सप्ताह और महाराजस्व शिविर के माध्यम से कुल 17,153 लाभार्थियों को विभिन्न शासन योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

इनमें दस्तावेज वितरण, नाम दुरुस्ती, वारिस फेरफार, आयुष्मान भारत कार्ड, **PM-KISAN** पुनः सत्यापन, बेबी केयर किट, मातृ वंदना योजना, स्वामित्व पट्टे, राशन कार्ड, अतिक्रमण धारकों के पट्टे, संजय गांधी एवं श्रावण बाळ योजना लाभ, **PMFME,** महिला बचत गटों को ऋण वितरण और अन्य अनेक सेवाएँ शामिल रही। इस अभियान की विशेषता यह रही कि विधायक श्री विनोद अग्रवाल ने केवल औपचारिक उपस्थिति दर्ज कराने के बजाय, प्रतिदिन समीक्षा बैठकें लेकर, विभागीय समन्वय सुनिश्चित कर, समस्याओं का त्वरित समाधान कर आयोजन को सफल बनाया। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सतत संवाद और जनहित को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी पात्र नागरिक शासन की योजना के लाभ से वंचित न रहे।

जनहित के लिए समर्पित अभियान..

इस दौरान ग्राम स्तर और मंडल स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों को योजनाओं की जानकारी दी गई, आवेदन भरवाए गए और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी की गई। शिविर स्थल पर **CSC** केंद्र, आधार केंद्र, विविध विभागों के 24 स्टॉल और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं, जिससे नागरिकों को एक ही स्थान पर विविध सेवाओं का लाभ मिला। विधायक श्री विनोद अग्रवाल ने इस पूरे अभियान को केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाते हुए इसे धरातल पर प्रभावी रूप से सफल बनाया। उनके सतत प्रयास, व्यक्तिगत देखरेख और प्रशासन के साथ बेहतरीन समन्वय के कारण गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के हजारों नागरिक लाभान्वित हुए।

विधायक संजय पुराम के जन्मदिन के मौके पर 6 और 7 अगस्त को कई सामाजिक कार्यक्रम आयोजन

कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी..

जगप्रेरणा आमगांव

आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक संजयभाऊ पुराम इनके जन्मदिवस के अवसर पर सविताताई पुराम महाराष्ट्र प्रदेश महिला उपाध्यक्ष, बिरसा फाउंडेशन, पुराडा और मित्र परिवार के जन्मदिन

के मौके पर 6 और 7 अगस्त 2026 को कई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनमें फ्री आंखों की जांच, चश्मे बांटना, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिबीर, वाचनालय का उद्घाटन, प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन, पेड़ लगाना और जन्मदिन अभिष्ट चिंतन समारोह शामिल हैं।

6 अगस्त को हरिहरभाई पटेल हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज, चिरचाळबांध में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मोफत नेत्र जांच की जांच, चश्मे बांटना और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायकरामजी भेंडरकर (अध्यक्ष ज़िला परिषद गोंदिया) करेंगे उद्घाटन विधानपरिषद सदस्य अविनाशजी ब्राह्मणकर करेंगे।

इस कार्यक्रम में केशवरावजी मानकर, भैरसिंगभाऊ नागपुरे, सुरेशभाऊ हर्षे, विजयभाऊ शिवणकर, नरेंद्रजी वाजपेयी, एडवोकेट यशुलालजी उपराडे, योगिताताई फुंडे, सुरेंद्रजी नायडू, सुनंदाताई उके, किशोरभाऊ महारावाडे, रंजनजी गौतम, हनुमंतरावजी वट्टी, तिलकचंदजी मडावी, सरिताताई हरिनखेड़े, गीताताई शेंडे, रमेशलालभाऊ कटरे, बाबूलालजी तुरकर, ललिताताई भाजीपाले, सुभाषभाऊ पटले, बालाजी बिरसाने, लक्ष्मीनंदजी ठाकरे, खेमेंद्रजी सिंगाईत और कैलाशजी कटरे के साथ-साथ कई और बड़े लोग शामिल होंगे।

तारीख। 7 अगस्त को सुबह 11 बजे डी. फार्म (फार्मेसी) कॉलेज, रिसामा (आमगांव) में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सीताताई रहांगडाले (जिला अध्यक्ष, भाजपा गोंदिया) करेंगी और उद्घाटन माननीय वीरेंद्रजी अंजनकर (संगठन मंत्री, भाजपा भंडारा-गोंदिया) करेंगे। इस कार्यक्रम में केशवरावजी मानकर, भैरसिंगभाऊ नागपुरे, विजयभाऊ शिवणकर, माननीय एडवोकेट उपस्थित थे। येशुलालजी उपराडे, पंकजभाऊ राहंगडाले, आफ्ताफ शेख, नरेंद्रजी वाजपेयी, अनिलजी जोशी, अनिलजी बिसेन, योगिताताई फुंडे, राजूभाऊ उइके, सुरेखाताई उके, शालिकरामजी गुरुनुले, प्रजनताई संगीडवार, हलमंतरावजी बुड्डी, संदीपभैया भाटिया, किशोरभाऊ महारवाडे कल्पंताई बावने, अर्चनाताई मडावी, प्राणमोहनसिंहजी उपराडे, रामफलताई गायकवाड़, अंबिकाताई बंजार, वैशालीताई पंधरे, ममताताई अंबादे रितेशजी अग्रवाल, पिंकीताई कटकटवार, नूतनताई राघयम, महेशजी जैन, कौशलबाई कुंभरे, संजीवनी दवंडे, नलिनभाऊ प्रेमशाम, शकीलजी कुरैशी, तनुजाताई भालवी, रितताई रंगारी, कमलबाई प्रेमशाम, डॉ. राजेंद्रजी बडोले, सुनीलभाऊ उइके, संदीपभाऊ टेकाम, प्रभाताई इंदीवार, प्रतिभाताई शिवंकर, अजयकुमारजी डोंगे और किशोरजी गवराने के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्रों के जाने-माने लोग मौजूद रहेंगे।

इसके अलावा, 7 अगस्त को सुबह 9.30 बजे पुराडा में क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा पूजन, सुबह 10 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र और वाचनालय का उद्घाटन, सुबह 10.30 बजे पदमपुर (आमगांव) में वाचनालय का उद्घाटन, दोपहर 3 बजे बोरगांव (बा.) में पेड़ लगाना और शाम 4.30 बजे देवरी में विधायक संजय पुराम के जनसंपर्क कार्यालय में भाजपा महिला आघाड़ी, देवरी की तरफ से जन्मदिन अभिष्ठाचिंतन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

श्रीमती सविताताई पुराम, बिरसा फाउंडेशन, पुराडा और मित्र परिवार की तरफसे नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन सभी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हों और स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर और दूसरे सामाजिक उपक्रम का फायदा उठाएं।

आमगांव के सब्जी बाजार परिसर में गंदगी का साम्राज्य..

सब्जी बाजार के मुख्य सड़क बदहाल न. प. एवं कृषि उपज मंडी की अनदेखी

लाखो रुपये की सब्जी बाजार एंव कृषी उत्पन्न बाजार समिती दुकान के चालो से वसुली पर सफाई की ओर स्पेशल अनदेखी..

सब्जी बाजार में मुलभुत सुविधा का अभाव

महिला के नही है शौचलयो की व्यवस्था..

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगाव तहसील एंव निकटवर्तीय सालेकसा तहसील सहित मध्यप्रदेश राज्य के अनेक व्यापारी एंव नागरिक हेतु सब्जी फल अनाज खरेदी बिक्री हेतु अत्यंत महत्त्वपूर्ण बाजार के रूप में आमगाव कृषी उपज मंडी

प्रसिद्ध है इस कृषी उपज मंडी परिसर में स्थित सब्जी बाजार परिसर में इन दिनों गंदगी का साम्राज्य दिखाई दे रहा है सब्जी बाजार की मुख्य सडक बदहाल हो चुकी है जिस सडक के दोनों ओर सब्जी के की दुकान एवं अन्य खाद्य सामग्री की दुकाने है उस सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है बारिश के समय गड्ढे मे सडक या सडक गड्ढे ऐसी स्थिति है गड्ढों मे बारिश के समय गंदा पानी जमा रहने से बाजार में सब्जी एवं अन्य सामृग्री खरीदी करने आनेवाले पुरुष महिला के कपड़े खराब हो रहे मार्ग से गुजरने वाली मोटर सायकल कार अन्य वाहनों से उड़ने वाले पानी से ग्राहक एवं दुकानदार को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

साथ ही बाजार में हर तरफगंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है किन्तु जवाबदार कृषी उत्पन्न बाजार समिती प्रशासन एंव स्थानिक नगरपरिषद प्रशासन का दुर्लक्ष होने से कचरा कम होने के बजाय बढता ही जा रहा है कृषी उपज मंडी आमगांव द्वारा कृषी उपज मंडी में लगने वाले बाजार का ठेका लाखों रुपये मे बाजार ठेकदार को दिया गया है एवं बाजार ठेकेदार द्वारा प्रतिदिन सब्जी दुकानदार से वसुली भी कर रहे हैं किंतु इसके बावजूद भी सफाई को लेकर कृषी उपज मंडी अपनी जिम्मेदारी नगरपरिषद प्रशासन की होने की बात कह रही है किंतु इसके चलते सब्जी बाजार में गंदगी के चलतें बारिश मे ग्राहक एवं दुकानदारों को संक्रमक बिमारी होने का खतरा बना हुआ है साथ ही दुकानदार एवं बाजार में दुकान लगाने वाले दुकानदार को नाक बंद कर अपना व्यवसाय करना पड़ रहा है बाजार समिति मे ग्राहक एवं दुकानदारों हेतु शौचालय की व्यवस्था पर्याप्त नही है एवं जो है उन प्रशाधन गृहो प्रचंड गंदगी होने से उसका प्रयोग करना मुश्किल हो रहा है ऐसे में खासकर व्यापारी महिला एवं ग्राहक महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कुषी उपज मंडी को बाजार के माध्यम से लाखों रुपये का उत्पन्न प्राप्त होंने के बावुजुद कृषी उपज मंडी की सफाई एवं अन्य सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं होने पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। आजु बाजु दुकान लगाने वाले दुकानदार जहाँ तहॉ कचरा फेकते है। उक्त पड़े कचरे, खराब खाद्य, शौच,से पुरे परिसर में बदबू/ गंदगी फैली हुई है नगर परिषद एवं कृषि उपज मंडी टैक्स लेने तो दौड़ पड़ती है। लेकिन साफ सफाई पर ध्यान न देते हुए दोनों नजर अंदाज कर रहे है।

नगर परिषद एवं कृषि उपज मंडी के अनदेखी से बदबूदार गंदगी से जनसामान्यो के स्वास्थ्य पर इसका सिधा असर पड़ने की प्रबल संभावना बनी हुयी है साथ ही सब्जी बाजार के मध्यभाग जहाँ दिवाली के समय फटाका बाजार लगता है उस जगह पर प्रचंड गंदगी फैल गई है जिससे उसके पास अपनी दुकान लगाने वाले एवं खरेदी हेतु आनेवाले नागरिक का खरेदी करने आना दुश्वार हो चुका है पिछले अनेक दिनो से यहा फैला कचरा जैसे के वैसे पडा हुआ है जिससे परेशानी गंभीर हो रही कितु नगरपरिषद प्रशासन एंव कृषी उपज मंडी प्रशासन इस समस्या की ओर स्पेशल दुर्लक्ष कर रहा लाखो रुपये की टॅक्स वसुली के बाद भी कुषी उपज मंडी प्रशासन सफाई की ओर स्पेशल दुर्लक्ष कर रही जिससे नागरिक आश्चर्य व्यक्त कर रहे है। जनता ने जिलाधिकारी एंव जिला स्वास्थ्य अधिकारी से अविलंब ध्यान देकर उक्त गंदगी हटाने के आदेश संबंधित विभागों को देना चाहिए ऐसी मांग की है।

बोले सब्जी व्यापारी रमेशजी चोरवाडे..

कृषी उपज मंडी में फैली गंदगी एवं मार्ग नाली निर्माण को लेकर कुषी उपज मंडी को निवेदन किया गया है किंतु कुषी उपज मंडी की ओर यह जिम्मेदारी हमारी नही बल्कि नगरपरिषद की है यह कहा गया है जिससे समस्या की ओर अब नगरपरिषद प्रशासन क्या कदम उठायेगा यह देखना होगा

बोले मुख्याधिकारी प्रमोद काबळे..

'कृषी उपज मंडी की मुलभुत सुविधा को लेकर जल्द ही डीटीडीसी मे प्रस्ताव डाला जायेगा एवं निधी की मांग की जायेगी निधी मंजूरी मिलते ही मुलभुत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।'

सुने मकान से अज्ञात चोर ने उडाये गहने मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/7/2026 से 29/7/2026 के दरम्यान मोहरानटोली मे फर्यादी विश्वजीत शैलेश चौरे वय 35 वर्ष निवासी मोहरानटोली के मकान मे अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर मकान मे प्रवेश कर स्टिल के डब्बे मे रखी सोने की चैन 6.590 ग्राम किमत 25 हजार रुपये, सोने की रिंग 2.320 ग्राम किमत 7 हजार रुपये, सोने की लटकन 2.430 ग्राम किमत 7 हजार रुपये, चांदी की पायल किमत 2 हजार रुपये, चांदीकी मनगट किमत 900 रुपये, चांदी के गहने किमत 1 हजार रुपये, कुल 42,900 रुपये का माल चुराकर ले जाने से अज्ञात चोर के खिलाफ पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 438/2026 धारा 331, 3, 331, 4, 305, अ, भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी राऊत पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

श्री राम वृक्षारोपण समिति (रजि.) द्वारा विगत 5 जून से गोंदिया में प्रारंभ सतत् वृक्षारोपण अभियान को मिल रहा प्रतिसाद..

राज्यसभा सांसद राजेंद्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल सहित अनेक उच्च अधिकारीयों नें किया वृक्षारोपण..

सतत् वृक्षारोपण के उत्कृष्ठ कार्य हेतु गोंदिया उपविभाषीय अधिकारी नें संस्था को किया सम्मानित...

जगप्रेरणा गोंदिया।

नगर की प्रसिद्ध श्रीराम वृक्षारोपण आयोजन समिति (रजि. न. गोंदिया/ 0000255/ 2025) अपने सतत् वृक्षारोपण कार्यों को लेकर सुर्खियों में है। संस्था के उत्साही एवं कार्यशील सचिव अपूर्व अग्रवाल नें संस्था द्वारा

किए गए वृक्षारोपण के संदर्भ में जानकारी प्रदान करते हुए बताये की संस्थाध्यक्ष श्याम अग्रवाल के नेतृत्व में गत वर्षानुसार इस वर्ष 2026-27 के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम 5 जून 2026 से मोक्षधाम परिसर में विधायक विनोद अग्रवाल के शुभ हस्ते प्रारंभ किया एवं उसके पश्चात विगत लगभग 45 दिनों में नगर की प्रशासकीय ईमारत, शहर पुलिस थाना, मोक्षधाम परिसर एवं अन्य स्थानों पर सतत् वृक्षारोपण का कार्य कर पौधारोपण किया।

नवीन प्रशासकीय इमारत (तहसील कार्यालय) जयस्तंभ चौक परिसर में उच्च क्वालिटी के 3000 वृक्षों का वृक्षारोपण एवं सुंदर ट्राई कलर फूलों के उद्यान निर्माण के हिसाब से पेड़ लगाए गए। आयोजन का समापन दि. 30 जुलाई 26 को तहसील कार्यालय परिसर में गोंदिया जिले के निवासी जिलाधिकारी भैयासाहेब बेहेरे, अभय जोशी जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख, अंजू कामडे निमसरकर संचालक माहिती एवं जनसंपर्क महासंचायनालय, सुनील घोंगड़े उपायुक्त जिला सांख्यिकी कार्यालय, नीलिमा मालोदे, प्रभारी सहायक धर्मादाय आयुक्त, सहायक आयुक्त अन्न एवं औषध प्रशासन, विक्की खिराडे महाव्यवस्थापक जिला उद्योग केंद्र, वीएस इंगले, जिला पणन अधिकारी, निलेश कानवड़े जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी, दामिनी संगठन के श्री राम पुरोहित, सौ. मैथिली पुरोहित एवं उनकी टीम एवं प्रशासकीय इमारत के अन्य सभी शासकीय अधिकारी एवं इन सभी के ऑफिस सहकर्मी की उपस्थिति में किया गया. इस आयोजन में शहर की वृक्षप्रेमी सामाजिक संस्थाएं एवं बड़ी संख्या में वृक्षमित्र गणमान्य नागरिक एवं शासकीय कर्मचारी उपस्थित थे। प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया, जिला श्रमिक पत्रकार संघ, श्री बोल बम गौसेवा समिति, गौसेवा मित्र मंडल, लायंस क्लब राइस सिटी, राइस मिलर्स एसोसिएशन गोंदिया, गोंदिया जिला व्यापारी फेडरेशन, मोक्षधाम सेवा समिति, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्री मारवाड़ी युवक मंडल, श्री अग्रसेन स्मारक समिति, श्री ब्राह्मण समाज गोंदिया, श्री जैन समाज गोंदिया, श्री वृक्षधरा फाउंडेशन, गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, गोंदिया जिला **NSI**, गोंदिया जिला युवक कांग्रेस, सुभाष गार्डन गोंदिया में दैनिक स्वास्थ्य लाभ लेने वाले सभी मंडल सभी वृक्ष मित्र एवं वृक्ष प्रेमी संस्थाओं नें इस पूरे अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

अपूर्व अग्रवाल नें आगे बताया कि 5 जून 2026 से जारी वृक्षारोपण अभियान में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र जैन, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं वरिष्ठ शासकीय अधिकारीयों नें हिस्सा लिया और आयोजन को सफ्ल बनाया. गोंदिया के उपविभागीय अधिकारी श्री चंद्रभान खण्डाइत नें श्री राम वृक्षारोपण समिति को पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया यह विशेष उल्लेखनीय है। समिति अध्यक्ष श्याम अग्रवाल, सचिव अपूर्व अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, भीकम शर्मा, जयंत अग्रवाल, प्रदीप जायसवाल, रोशन जायसवाल, सहसचिव सुजीत सिंघानिया नें सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है और वृक्षारोपण की अपनी मुहिम को इसी तरह जारी रखने का संकल्प लिया है।

जी. के. कला एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, कावराबंध में मुंशी प्रेमचंद जयंती श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई

जगप्रेरणा सालेकसा।

जी.के. कला एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, कावराबंध के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी साहित्य के महान उपन्यास सम्राट मुंशी

प्रेमचंद की जयंती श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा. एस.बी. परिहार ने मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने उपन्यासों एवं कहानियों के माध्यम से समाज की वास्तविक समस्याओं, ग्रामीण जीवन, शोषित एवं वंचित वर्ग की पीड़ा तथा मानवीय मूल्यों को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रेमचंद के साहित्य का अध्ययन कर उनके विचारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिमा यादव ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके साहित्य में सामाजिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं मानवता का जो संदेश निहित है, वह वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने छात्राओं से साहित्य के माध्यम से सामाजिक संवेदनाओं को समझने और सकारात्मक सोच विकसित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का वातावरण साहित्यिक उत्साह एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
- टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
- इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यू.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओव्हम डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोस की जांच
- हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
- दुरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 सोमवार 03 अगस्त 2026
जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

जब हम जीवन में समर्पित भाव से कड़ी मेहनत करते हैं तो रुकावटों की ताकत नहीं की वो कभी बाधक भी बन सके - सांसद राजेन्द्र जैन

श्री मारवाड़ी युवक मंडल ने किया भव्य समारोहपूर्वक नवनिर्वाचित सांसद राजेन्द्र जैन का उत्साहपूर्वक अभिनंदन..

बैंड बाजे, आतिशबाजी और 06 फुट की भव्य फुलमाला से किया सत्कार..

जगप्रेरणा गोंदिया।

1985 में मैं छात्र जीवन से आगे बढ़ते हुए सांसद प्रफुल भाई पटेल से जुड़ा। उनका व्यक्तित्व, उनकी सोच, उनकी गोंदिया भंडारा जिले के विकास के लिये चाहतें मुझे प्रेरित कर गई, और मैं उनके साथ चलता चला गया। कई तरह की परिस्थितियां और उतार चढ़ाव आदरणीय प्रफुल भाई ने भी देखे, और मुझे भी देखने का अवसर प्राप्त हुआ, लेकिन मेरा समर्पण मेरी निष्ठा सतत बनी रही। जीवन में मैंने कभी प्रफुल भाई के

अतिक्ति कुछ सोचा भी नहीं और ईश्वर से मांगा भी नहीं, बस जो काम मुझे दिये गए, वह मैंने किया और आज भले ही मैं राज्यसभा में सांसद बना हुं, लेकिन मैं आदरणीय प्रफुल भाई का एक कार्यकर्ता और उनका छोटा भाई हूं, और इसी रुप में मैं कार्य करता रहूंगा। जीवन में प्रफुल भाई के साथ 44 सालों के सफर में एक बात मैंने जरुर सीखी कि जब हम जीवन में समर्पित भाव से कड़ी मेहनत करते हैं, तो रुकावटों की कोई ताकत नहीं की वो बाधक बन सके, यह बात सांसद राजेन्द्र जैन ने आज गोंदिया में श्री मारवाड़ी युवक मंडल द्वारा श्री राजस्थानी कन्या विद्यालय के प्रांगण में आयोजित सत्कार समारोह में कही।

सांसद राजेन्द्र जैन श्री मारवाड़ी युवक मंडल द्वारा श्री राजस्थान कन्या विद्यालय के प्रांगण में आयोजित भव्य सत्कार समारोह में सत्कार मूर्ति के रुप में सभा को संबोधित कर रहे थे। सांसद राजेन्द्र जैन ने अपने संबोधन में अपने छात्र जीवन के मित्र सीताराम जी अग्रवाल से जुड़ी यादों का भी जिक्र किया, तो वहीं श्री मारवाड़ी युवक मंडल के अध्यक्ष महेश गोयल एवं सचिव रितेश अग्रवाल के कार्यों और समाज के प्रति समर्पण की भी प्रशंसा की, तो वहीं श्री कृष्ण गौरक्षण सभा के अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल, सीए राजेश व्यास के मिले सहयोग तथा छैलबिहारी अग्रवाल संहित अनेक वरिष्ठजनों की सामाजिक भूमिकाओं का जिक्र करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की।

इसी प्रकार सांसद राजेन्द्र जैन ने कहा कि यह पद आते जाते रहेंगे, लेकिन मैं आपके परिवार का सदस्य हूं। राज्यसभा में यदि मुझे अवसर मिला है, तो आदरणीय प्रफुल भाई के मार्गदर्शन में मैं गोंदिया जिले की जरुरतों के लिये आवश्यक विकास की सौगातों हेतु अवश्य प्रयास करुंगा। गौरतलब है कि सांसद राजेन्द्र जैन गोंदिया जिले के मारवाड़ी समाज के ऐसे प्रथम नेता हैं जिन्हें राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने का अवसर प्राप्त हुआ, इस उपलक्ष्य में श्री मारवाड़ी युवक मंडल के अध्यक्ष महेश गोयल की अध्यक्षता में सांसद राजेन्द्र जैन का सत्कार समारोह आयोजित किया गया। सांसद राजेन्द्र जैन का सत्कार हेतु जैसे ही आयोजन स्थल पर आगमन हुआ।

भव्य आतिशबाजी और बैंड बाजों के साथ सांसद श्री जैन का स्वागत कर उनकी अगवानी की गई। मंच पर पहुंचने के उपरांत सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन किया गया, इसके उपरांत मंचीय कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सांसद राजेन्द्र जैन का पुष्पगुच्छ एवं 06 फुट की आकर्षक व सुगंधित माला से स्वागत किया गया।

बोले महेश गोयल..

श्री मारवाड़ी युवक मंडल के अध्यक्ष महेश गोयल ने सत्कार समारोह के अवसर पर कहा कि आदरणीय राजेन्द्र जी जैन स्वयं अत्यधिक परिश्रमी नेता हैं, तथा हमारा सबका सौभाग्य है कि वे हमारे समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मार्गदर्शन में हमें कार्य करने की प्रेरणा मिलती है, और हम उम्मीद करते हैं कि जिस तरह से जुझारु स्वभाव राजु भैया का है, वे देश के सर्वोच्च सदन राज्यसभा में गोंदिया जिले के विकास के लिये निश्चित ही दमदार प्रयास भी करेंगे और वे प्रयास सफल भी होंगे।

यह रहे मंचासीन..

सासंद राजेन्द्र जैन के सत्कार समारोह में प्रमुख रुप से श्री मारवाड़ी युवक मंडल ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष श्री हेमेन्द्र पोद्दार, महिला अध्यक्षा श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, श्री अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष निलेश अग्रवाल, श्री खंडेलवाल युवा मंडल के सचिव आशीष खंडेलवाल, श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष दिनेश बैद, श्री दिगंबर खंडेलवाल जैन समाज के सचिव, श्री राजस्थानी जैन समाज के अध्यक्ष अजय झवाणिया, श्री महेश्वरी मंडल के अध्यक्ष नरेश बंग, श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजेश सोनी, श्री जनता सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश दादरीवाल, श्री महावीर मारवाड़ी स्कूल सोसायटी के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा के अध्यक्ष शंकरलाल अग्रवाल, विप्र फाउंडेशन के अध्यक्ष पं. भीकम शर्मा प्रमुख रुप से मंचासीन रहे। उपरोक्त सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा सांसद राजेन्द्र जैन का पुष्पगुच्छ व शॉल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सत्कार किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन राम अग्रवाल एवं हर्षल पवार ने किया, वहीं कार्यक्रम में प्रास्ताविक उद्बोधन श्री मारवाड़ी युवक मंडल के प्रवक्ता रवि मुंदड़ा ने दिया।

स्व. मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि पर न्यू कराओके म्यूजिकल ग्रुप ने दी भावपूर्ण संगीतमय श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा गोंदिया।

महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी साहब की पुण्यतिथि (स्मृति दिवस) के अवसर पर न्यू कराओके म्यूजिकल ग्रुप, गोंदिया द्वारा 31 जुलाई को न्यू गुजराती लॉज में एक भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के अनेक प्रतिष्ठित एवं उभरते कलाकारों ने रफी साहब के सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुजीब भाई रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वर्गीय मोहम्मद रफी साहब के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात संगीतमय प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसने उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा। पूरे आयोजन का सफल एवं प्रभावी संचालन शैलेश जैन एवं सुनील रंगारी ने किया।

कार्यक्रम में प्रकाश शर्मा, विनायक शर्मा, राहुल टेभुर्णीकर, मनोज जोशी, राजेश दवे, अजय शर्मा, रजनीश जायसवाल, मनोहर जी खटवानी, पाथरूजी, मनमीत नय्यर,नितिन रोकड़े, प्रवीन हालानी, संजीव बापट, महेंद्र बडे, दिनेश गायकवाड, हर्षे ताई, सुनील रंगारी, मुजीब भाई, राजू ठाकुर तथा अनु दीदी बडे ने मोहम्मद रफी साहब के लोकप्रिय और अमर गीतों की शानदार प्रस्तुतियाँ देकर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोर इस अवसर पर आनंद शर्मा , बबलू शर्मा, आनंद जैन, वल्दे जी , राकेश गुप्ता एवम अनेक संगीत प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सफलता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। न्यू कराओके म्यूजिकल ग्रुप द्वारा वर्षभर संगीत प्रेमियों एवं स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए ऐसे सांस्कृतिक एवं संगीतमय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। संस्था का उद्देश्य संगीत के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा नई प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रोताओं एवं अतिथियों ने सभी कलाकारों की प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की साथ ही स्वादिष्ट व्यजनों का आनन्द लिया एवम आयोजकों को इस सफल एवं यादगार संगीतमय संध्या के लिए शुभकामनाएँ दी।

गांधी वार्ड के नागरिकों को मिले खुद की मालकियत के प्लॉट

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया नगर के प्रभाग क्रमांक 12 के गांधी वार्ड के निवासियों की जीवन की बाधाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आवास योजना के चलते तथा पूर्व पार्षद सौ. भावना कदम एवं विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से अब

दूर हो गई है। विगत कई वर्षों से परिसर में अनधिकृत तौर पर अतिक्रमण कर जीवन यापन करने वाले यहां के नागरिकों को मालिकाना हक मिले जिसके लिये पूर्व पार्षद सौ. भावना कदम ने प्रयास किये थे, जिसका लाभ समाधान शिविर के माध्यम से विधायक विनोद भैया अग्रवाल के हस्ते आखिरकार जरुरतमंद लाभार्थीयों को मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। लाभार्थीयों को उनके जमीन और घर की जगह उनके नाम पर अधिकृत रूप से प्रदान करते हुए पट्टों का वितरण किया गया। इस अवसर पर गांधी वार्ड के नागरिक और विशेष रूप से महिलाओं ने सौ भावना कदम और अमित अवस्थी की उपस्थिति में अधिकृत दस्तावेज प्रदान किए गए, तब लाभार्थी में खुशी का माहौल था। इस कार्य को सफल बनाने में और लाभार्थी तक पहुंचकर सहयोग करने में प्रीति बनसोड़, मयूर बोरकर और अमित अवस्थी ने सहयोग किया।

विधायक विनोद अग्रवाल और पूर्व पार्षद भावना कदम के प्रयत्नों को मिली सफलता..

बचे हुए लाभार्थी को प्रधानमंत्री मोदीजी के जन्म दिन तक मिल सकेगा इस योजना का लाभ..

इस अवसर पर भावना कदम ने कहा कि और भी बचे हुए लाभार्थीयों को अब चिंता करने की जरुरत नहीं है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिन तक जो लाभार्थी आवश्यक कागजपत्र जमा कर देंगे, उन्हें भी पट्टे प्रदान किये जाने की योजना है। जल्द से जल्द अपने दस्तावेज लाभार्थी जमा करें, ऐसी अपील भी भावना कदम ने की है।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
- कमर का दर्द
- घुटनों का दर्द
- पिठ का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गठीया वात एवं सायटिका

- अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
- शास्त्रशुध्द एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
- रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा

डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com